कहाँ क्या है

आमुख iii

बड़ों से दो बातें v

1 मन के भोले-भाले बादल 1

2 जैसा सवाल वैसा जवाब 6

3 किरमिच की गेंद 11

कोई लाके मुझे दे 21

4 पापा जब बच्चे थे 22

उलझन 32

एक साथ तीन सुख 33

5 दोस्त की पोशाक 35

नसीरुद्दीन का निशाना 42

6 नाव बनाओ नाव बनाओ 44

पाठ - 1

मन के भोले भाले बादल

शब्द अर्थ

1) झब्बर : घुँघराले
2) तोंद : बड़ा पेट
3) ज़िद : हठ करना
4) शैतानी : शरारत
5) भला : अच्छा
6) तूफान : तेज आँधी और बारिश

तुकांत शब्द

1) गालों : बालों
2) फुलाए : बुलाए
तूफानी : शैतानी
जाते : लाते

कैसे कौन

सूरज सी - चमकीली थाली
चंदा सा - गोरा मुखड़ा
हाथी सा - भारी आदमी
जोकर सा - मोटा पेट
परियों सा - सुन्दर चेहरा
गुब्बारे सा - फूला पेट
ढोलक सा - बजता डिब्बा

तुम्हारी समझ से (पृष्ठ:3)

क) बादल नदी-नालों मे बाढ़ कैसे लाते होंगे?
उत्तर बादल तेज़ बारिश करके नदी-नालों मे बाढ़ लाते हैं।

ख) बादल ढोल कैसे बजाते होंगे?
उत्तर बादल गरजकर और टकराकर ढोल बजाते हैं।

ग) बादल कैसे शैतानियाँ करते होंगे?
उत्तर बादल बिन मौसम बारिश करके, तेज हवा चलाके शैतानियाँ करते होंगे।

कविता से आगे पृष्ठ:4

क सावन के किन-किन महीनों में ज्यादा बादल घिरते हैं?
उत्तर जून-जुलाई में ज्यादा बारिश होती है।

ख कविता में 'काले' बादलों की बात की गई है। क्या बादल सचमुच काले होते हैं?
उत्तर कुछ बादल काले दिखाई देते हैं तो कुछ भूरे तो कुछ सफेद। लेकिन बादल सचमुच काले नहीं होते। वह तो पानी की भाप के

बूँदों से बने होते हैं

(क) तूफान क्यों होता है? बादलों को तूफानी क्यों कहा गया है।
बारिश के साथ तेज़ चलने वाली आँधी को तूफान कहते हैं।
बादल हो, तेज आँधी और बारिश लाते हैं। इसलिये उन्हें तूफानी बादल कहा गया है।

(घ) कक्षा में बातचीत करो और बताओ कि बादल किन-किन रंगों के होते हैं।
बादल कई तरह के सफेद होते हैं, जैसा गर्मियों में होता है।
बादल काले रंग के होते हैं, जैसा बरसात के दिनों में होता है। तब बादल बारिश करते हैं।
कभी कभी बादल केसरी रंग के भी होते हैं।

कैसे कैसे बादल
तरह तरह के बादलों के चित्र बनाओ?

काले काले डरावने

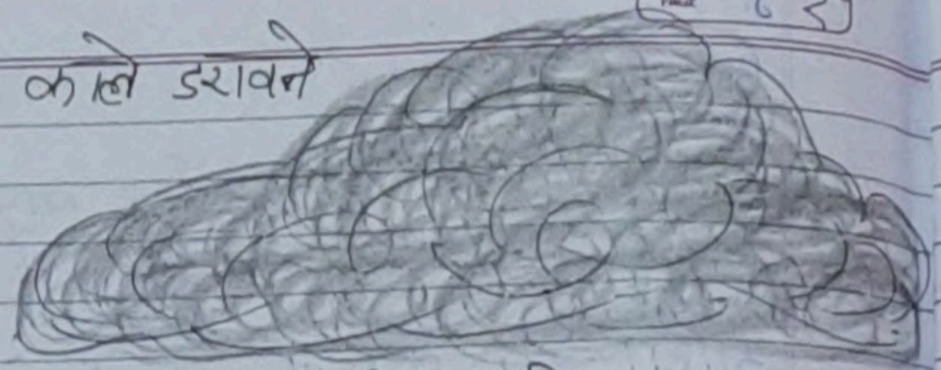

गुब्बारे से गालों वाले

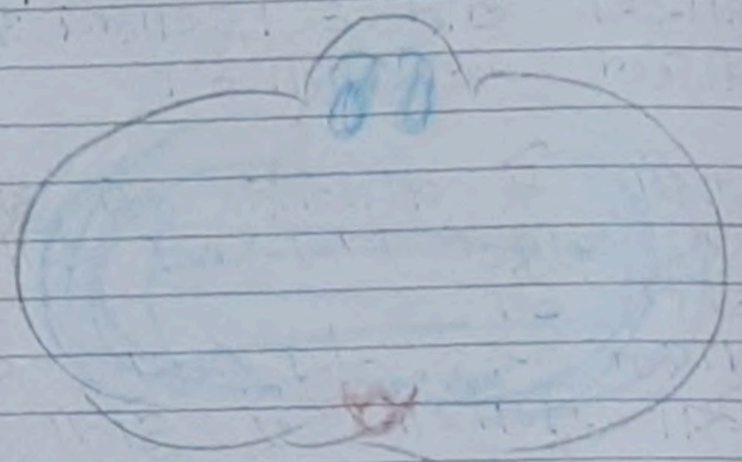

हल्के-फुल्के सुहाने

(ख) कविता में 'बादलों को 'भोला' कहा गया है। इसके अलावा बादलों के लिये और कौन-कौन से शब्दों का इस्तेमाल किया गया है? नीचे लिखे अधूरे शब्दों को पूरा करो।

भोले   काले   जिद्दी
मतवाले   शैतानी   तूफानी

बारिश की आवाज़ें

कुछ अपने थैलों से चुपके
झर-झर-झर बरसाते पानी

पानी के बरसने की आवाज है झर-झर-झर
पानी बरसने की कुछ और आवाजें लिखो।

टप-टप   टिप-टिप
छपा-छप   घर-घर
रिम झिम   छप-छप
छमा-छम   छम-छम

'कैसे कैसे पेड़' : कविता

रात में काले लम्बे भूत से,
दिन में बचाते हैं हमें धूप से
देते हमें शुद्ध हवा
फल, फूल और पत्तों में छिपी दवा

RANKA DATE / / PAGE 3

समान अर्थ वाले दो शब्द

बादल — मेघ, जलद

आसमान — आकाश, गगन

पानी — जल, नीर

हवा — वायु, समीर

शब्द छाँट करो

मतवाले, तूफानी

जिद्दी, शैतानी

तुकांत शब्द

गालो - बालों, काले - काले

पानी - तूफानी, जाते - आते

RANKA DATE / / PAGE 4

पाठ से अतिरिक्त प्रश्न

कविता मे बादलों ने किसके समान पंख लगाये हुए है।
परियो के समान

बादलो के थैलो मे क्या है?
पानी

किसी के ना सुनते हुए बादल क्या बजाते है?
ढोलक और ढोल

यह कविता किस बारे मे है?
बादलो के बारे मे।

काले बादल झूम-झूम कर क्या करते है।
आसमान मे दौड़ लगाते है।

कुछ बादल किस प्रकार पानी बरसाते है?
झर - झर - करके पानी बरसाते है।

कवि को बादल किस रूप, रंग और आकार के लग रहे है।
काले रंग के जोकर जैसे, हाथी व ऊँट के आकार के लग रहे है।

पाठ - 2

जैसा सवाल वैसा जवाब

नवीन शब्द

बादशाह = राजा
बादशाह अकबर ने कई जुल्म किये।

मंत्री = राजा का मुख्य सलाहकार
बीरबल एक विद्वान मंत्री था।

बुद्धि = अक्ल
विपदा के समय हमे बुद्धि से काम लेना चाहिये

मुसीबत = कठिनाई
अज्ञानता अपने साथ कई मुसीबतें लेकर आती है।

अभिमान = घमंड
अभिमानी एकर सर अंत मे झुकता है।

विश्वास = भरोसा
हमे स्वयं पर विश्वास करना चाहिये।

कोशिश = प्रयास
हमे सत्य का साथ और प्रयास कभी नही छोड़ना चाहिये।

मुर्ख = नासमझ
इन्टरनेट आज मुर्ख बनाने का नया तरीका बन गया है।

कलई = असलियत की बात, राज की बात।
रामलाल जब उत्तर नही दे पाया तो उसकी पढाकू बनने की कलई खुल गई।

अनुरोध = विनती
सब विद्यार्थी अध्यापक से परीक्षा टालने का अनुरोध करने लगे।

संसार = दुनिया लोक जगत
संसार मे भिन्न भिन्न तरह के लोग होते है हमे समझदारी से काम लेना चाहिये।

केन्द्र = मध्य

धरती का केन्द्र अति गर्म है।

संख्या = गिनती
शत्रु संख्या मे ज्यादा थे परन्तु शिवाजी महाराज फिर भी विजयी हुए।

आबादी = जनसंख्या
विश्व की २० प्रतिशत आबादी भारत मे रहती है।

संतुष्ट = तृप्ति, राजी किया गया।
ठण्डा जल पाकर मोहन संतुष्ट हो गया।

तुम्हारी बात.

(क) ख्वाजा सरा के तीनों सवालों का क्या कोई और जवाब हो सकता है? अपने मन से सोचकर लिखो।
हाँ, अन्य जवाब इस प्रकार हो सकते हैं।
सवाल - संसार का केन्द्र?
अन्य जवाब - समुद्र के बीचों बीच जो द्वीप है। वहीं संसार का केन्द्र है।
दूसरा सवाल - आकाश में तारे?
अन्य जवाब - यदि राज कोष को रेत से भर दिया जाये उतने।
तीसरा सवाल - संसार की आबादी?
अन्य उत्तर - चींटियों की आबादी से आधी।

(ख) अगर तुम ख्वाजा सरा की जगह पर होते तो, बीरबल को हराने के लिए कौन-से सवाल पूछते?
यदि मै ख्वाजा सरा की जगह पर होता तो बीरबल को हराने के लिये निम्न सवाल पूछता।
१) कुत्ते की दुम टेढ़ी क्यो होती है और सीधी कैसे हो सकती है।
२) सूरज और कितने दिनों तक रोशनी देगा और उसके बाद हम क्या करेंगे।
३) उड़ने वाले घोड़े किस देश मे होते हैं और वह कैसी घास खाते हैं।

(ग) ख्वाजा सरा का बस चलता तो वे

बीरबल को हिंदुस्तान से निकाल देते। अगर तुम्हारा बस चले तो तुम कौन-कौन सी इच्छाएँ पूरी करना चाहोगे?
मै देश से कोरोना नामक महामारी को, गरीबी को और अन्याय करने वाले अधिकारियो को हिन्दुस्तान से निकाल देता

अन्य उत्तर
मै अपनी साइकिल से सारी दुनिया घूमता और हर देश के स्वादिष्ट पकवान चखता।

बस

नीचे लिखे वाक्य पढो।
मै बस मे बैठकर स्कूल जाता हूँ।
...... अब इसी तरह चल शब्द से वाक्य बनाओ।
क) आज मेरे घर चल।
ख) आज मै चल-चल के थक गया।
ग) चला गया वह! अब घर चल।
घ) क्या तुम मेरे साथ चलना चाहोगे
ङ) चलो सब मिल कर खेलते है।
च) इस लिये कहते है चलती का नाम गाडी।

कैसे चले, सामने तो साँप है।

बेढ कहानी
एक दिन अकबर ने बीरबल से पूछा, "बीरबल दुनिया मे सबसे अधिक शक्तशाली कौन है?"
बीरबल ने क्या कहा होगा? कहानी आगे बढाओ।
अकबर :- "बताओ कि दुनिया मे सबसे शक्तशाली कौन है।
बीरबल - "जहाँपनाह वैसे तो सबसे शक्तिशाली आप है, लेकिन एक है जो आपसे भी ज्यादा हिम्मत वाला है।
अकबर - (मूँछो पर ताव देते हुए) जरा बताओ तो उस महाबली का नाम?
बीरबल - "मच्छर"
अकबर - "क्या!" क्यो। कैसे।
बीरबल - रात को जब आप शांति से सो रहे होते है तो शेर भी हिम्मत नहीं कर पाता कि द हाड सके।
लेकिन हजूर इस मच्छर को तो देखिये। कि यह

DATE '16'

कूँ कूँ की आवाज़ से आपको जगाता भी है और काट भी डालता है।
यही नहीं जनाब यह आपका खून भी पी जाता है
अकबर – "यह सही नहीं है"
ताली के बीच मच्छर को मारते हुए।
(तभी एक दूसरा मच्छर अकबर की गर्दन पर काटता है)
अकबर – उई ई ई......
बीरबल – महाराज मैं ताली वाले नहीं इस यमदूत मच्छर की बात कर रहा था।
अकबर और बीरबल (दोनो हँसते हुए)

खोजो कहानियाँ

बीरबल की चतुराई के किस्से बहुत मशहूर है।
(क) तुम भी बीरबल का एक ऐसा ही किस्सा ढूंढो जिसमें वह अपने जवाबो से सबका मुँह बंद कर देता है।

DATE '17'

एक बार अकबर बीरबल बागीचे मे बैठे थे, कि अकबर को बीरबल को नीचा दिखाने की युक्ति सूझी।
अकबर – कल मैने एक सपना देखा कि हम जंगल मे जा रहे है और एक गड्ढे मे गिर जाते है।
मै जिस गड्ढे मे गिरा वह शहद का था और तुम जिस मे गिरे वह गोबर का था।
हा हा हा!!!
बीरबल – जी जनाब आप सच कह रहे है मैने भी यही सपना देखा
अकबर – "अच्छा तो क्या देखा आपने"
बीरबल – मैने देखा कि बाहर निकल कर मैं आप को चाट रहा हूँ और आप मुझे
हा-हा-हा!!!---

(ख) बीरबल की तरह बहुत से अन्य व्यक्तियों की हाज़िरजवाबी के किस्से प्रसिद्ध है। उनके नाम पता करो।

तेनाली राम कृष्णा महाराज कृष्णदेवराय का मंत्री था। वह एक उत्कृष्ट कवि, विचारक और विद्वान पंडित था।
उनका जन्म 22 सितम्बर 1520 को गुणटूर आन्ध्र प्रदेश मे हुआ था।
उनकी बुद्धिमत्ता के किस्से बहुत प्रसिद्ध है।

एक और शब्द

बुद्धिमान : अक्लमंद, चतुर
मूर्ख : मंद बुद्धि, बेवकूफ
अभिमान : गर्व, घमंड
विश्वास : भरोसा, यकीन
संसार : दुनिया, लोक
कोशिश : प्रयास, प्रयत्न

मुहावरे

नाक-भौंह सिकोड़ना = मन को अच्छा न लगना।
खरबूजे का स्वाद फीका था शायद इस लिए रोहन नाक-भौंहे सिकोड़ने लगा।

कलई खुलना = झूठ पकड़ा जाना
झूठ कितना भी संभल कर बोला जाये एक दिन कलई खुल ही जाती है।

छक्के छूटना = हार जाना, कोई उपाय न सूझना।
अध्यापक ने सरिता से ऐसे सवाल पूछे, कि उसके छक्के छूट गये।

तूती बोलना = अधिक प्रभाव यश होना
क्रिकेट के मैदान मे विराट कोहली की तूती बोलती है।

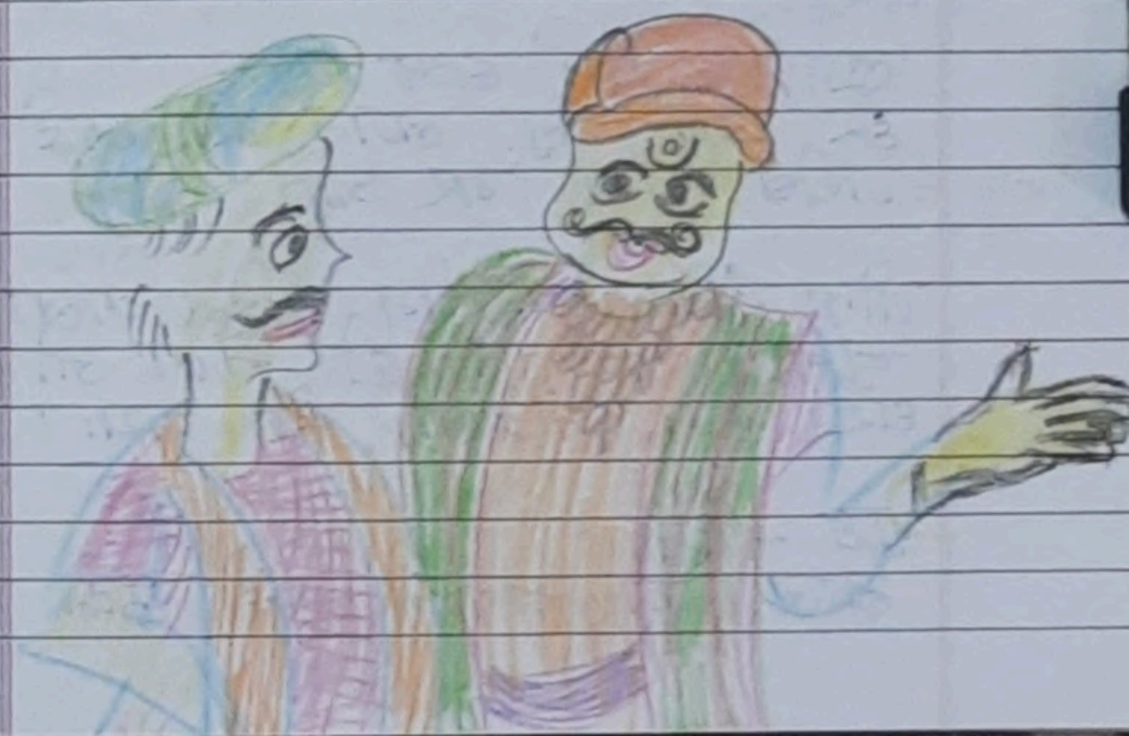

RANKA DATE 2/01 PAGE

पाठ - 3

किरमिच की गेंद

नवीन शब्द

तपती = अत्यधिक गर्म
तपती हुई धूप में लू लगने का खतरा होता है।

तत्काल = तुरंत
तत्काल दवा न मिलने से राधा की मृत्यु हो गई।

चतुर = चालाक
चतुर नेता वोट मिलने के बाद आँखे दिखाते है।

लू = गर्म हवा
हर वर्ष लू लगने से कई गरीब लोग मर जाते है।

तीन मंजिली = तीन मंजिल वाला
चुनाव जीतते ही नेता जी का घर तीन मंजिली हो गया।

गुट - दल
आज का समाज कई गुटो में

RANKA DATE 2/01 PAGE

बटा हुआ है।

सुविधा = आराम
एसी॰ कोच की सुविधाएं तो अनमोल है।

सिद्ध = साबित करना
अपनी बेगुनाही सिद्ध करते-करते वह बूढ़ा हो गया।

आजमाना = परखना
यह वेबसाइट बेमिसाल है और मेरी आज़माई हुई है।
अन्य
इस बार किसी नई राजनैतिक पार्टी को आजमाना पडेगा।

घूँस = एक बड़ा चूहा (लम्बे मुँह वाला)
वहाँ ध्यान से जाना बराबर मे ही घूँस ने गड्ढे बना रखे थे।

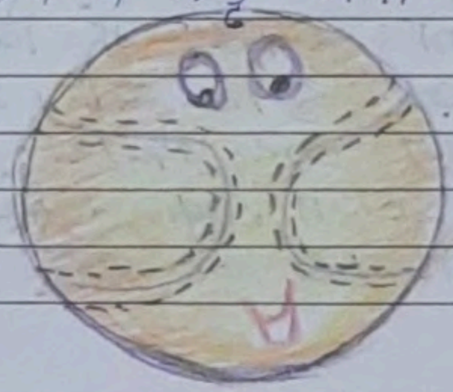

कहानी की बात

(क) दिनेश की माँ मशीन चलाते-चलाते बोली, "बेटा, कहाँ जा रहे हो?"
दिनेश की माँ कौन-सी मशीन चला रही होगी?
तुमने इस मशीन को कहाँ-कहाँ देखा है?
दिनेश की माँ सिलाई मशीन चला रही होगी।
मैंने इस मशीन को अपने घर में और दर्जी के पास देखा है।

(ख) दिनेश ने सारी सीताफल की बेल छान मारी।
दिनेश क्या खोज रहा था?
दिनेश को कैसे पता चला होगा कि क्यारी में वही चीज गिरी है?
दिनेश क्रिकेट की गेंद खोज रहा था। इसलिए उसने सीताफल की बेल छान मारी।
दिनेश को क्यारी में किसी चीज़ की आवाज़ सुनाई दी। उस आवाज को पहचान कर दिनेश को पता चला होगा, कि क्यारी में क्रिकेट की गेंद ही गिरी थी (है)

(ग) दिनेश अच्छी तरह जानता था कि गेंद दीपक की नहीं है।
दिनेश को यह बात कैसे पता चली कि गेंद दीपक की हो ही नहीं सकती?
दीपक बार-बार गेंद को अपनी क्यों बता रहा होगा?
दिनेश को जो गेंद मिली थी। वह एकदम नई चमचमाती हुई थी।
दीपक ने बताया कि उसकी गेंद पाँच महीने पहले से गई थी।
इस तरह दिनेश को पता चल गया कि गेंद दीपक की नहीं हो सकती।
दीपक बार-बार गेंद को अपनी इसलिए बता रहा होगा, क्योंकि वह उस गेंद को पाना चाहता था।

गेंद किसकी

(क) दीपक ने गेंद को अपना बताने के लिए उसके बारे में कौन-कौन सी बातें बताईं?
उत्तर दीपक ने निम्नलिखित बातें बताईं-
1) गेंद पाँच महीने पहले खोई थी।
2) गेंद का रंग लाल था और ऐसा ही निशान था।
3) वह पापा से कहलवा सकता है कि

गेंद उसकी है।
४) उसकी गेंद मे ऐसे ही रुपये की आवाज आती थी।

(क) अगर दीपक और दिनेश गेंद के बारे मे फैसला करवाने तुम्हारे पास आते, तो तुम गेंद किसे देती यह भी बताओ कि तुम यह फैसला किन बातों को ध्यान में रखकर करती?
गेंद दिनेश को दी जानी चाहिये थी, क्योकि वह सच बोल रहा था जबकि दीपक असत्य कह रहा था।
दीपक की गेंद पाँच महीने पहले खोई थी जबकि दिनेश को मिली हुई गेंद नई थी।

गेंद की कहानी

गेंद स्कूटर के साथ कही चली गई।
उसके बाद गेंद के साथ क्या-क्या हुआ होगा? सोचकर बताओ।
स्कूटर वाले ने अपने बच्चो को दे दी होगी। वे उससे खेले होंगे। फिर खेल खेल में गेंद गुम गई होगी।

पहचान

मान लो तुम्हारा कोई खिलौना घर मे ही कहीं खो गया है। तुमने अपने ...... तुम अपने खिलौने की पहचान के लिये अपने साथियों को कौन-कौन सी बाते बताओगी? लिखो।
मै पहले उस खिलौना का चित्र बना कर सब साथियों को दिखाऊँगा।
उसके रंग के बारे मे और खोने वाली जगह के बारे मे बताऊँगा।
और जो जानकारी वह चाहेंगे वह दे दूँगा।

कहाँ

सामने की क्यारी मे भिंडियो के ऊँचे ऊँचे पौधे थे।
एक ओर सीताफल की घनी बेल फैली हुई थी। सीताफल की बेल होती है और भिंडी का पौधा। बताओ और कौन कौन

Page 19.

RANKA DATE 24/6/ PAGE

सी सब्जियाँ बेल और पौधे पर लगती है?

बेल	पौधा
सीताफल	भिंडी
लौकी	टमाटर
तोरी	बैंगन
करेला	मटर
काशीफल	सेम

तरह - तरह की गेंदें

गेंदों के अनेक रंग-रूप होते हैं। अलग अलग खेलों मे अलग-2 प्रकार की गेंदों का इस्तमाल किया जाता है। नीचे दी गई जगह मे खेलों के अनुसार गेंदो की सूची बनाओ।

क्रिकेट	किरमिच
फुटबॉल	चमडा
हॉकी	रबड़
टेनिस	प्लास्टिक
वॉलीबाल	चमडा।

खोजो आस-पास

दिनेश चिक सरकाकर बरामदे की और आया।

RANKA DATE 24/ PAGE

(क) चिक और पर्दे में क्या फर्क है। समूह मे चर्चा करे।

चिक	पर्दा
चिक खस नामक तीलियों की या बॉस की तीलियों से बनती है।	पर्दा कपडे से बनता है।

टहनी	तना
पेड के तने से निकलने वाली डाली को कहते है। टहनी पतली होती है।	पेड का मुख्य मोटा भाग होता है। तना मोटा होता है।

पेड़	पौधा
पेड बड़ा और सख्त होता है। पेड की जडे ज़मीन मे अन्दर तक होती है।	पौधा छोटा और कमजोर होता है। पौधे की जडे सतह पर ही होती है।

घूँस	चूहा
एक बडा चूहा होता है, एक विशेष प्रजाति है।	चूहा आकार मे छोटा होता है।

घूस बिल बनाकर उसमें रहता है।	चूहे घरों में ही छिप कर रहते है।

मुँडेर	चारदीवारी
सुरक्षा की दृष्टि से बनाई जाने वाली छोटी सी दीवार। यह छत पर बनाई जाती है। गिरने से बचने के लिये बनाई जाती है।	आँगन के चारों तरफ बनाई जाने वाली दीवार। यह मुँडेर से दोगुनी बड़ी होती है। जानवरों से बचने के लिये बनाई जाती है।

(ख) चिक सरकंडे से भी बनती है और तीलियों से भी। सरकंडे से और क्या-क्या बनता है? अपने आसपास पता करो और लिखो।

सरकंडे से निम्नलिखित चीज़े बनाई जाती है—

1) टोकरी
2) चटाई
3) हाथ पंखी
4) कलम
5) सिलाइयाँ
6) चॉप स्टिक

क्लब बनाएँ

मान लो तुम्हें अपने स्कूल में एक क्लब बनाना है जो स्कूल में खेल-कूद के कार्यक्रमों की तैयारी करेगा।

क्लब के नियम—

1) समय पर आयें।
2) फीस समय पर जमा करवाये।
3) खेल का समान टूटने पर जुर्माना देना होगा।
4) अनुशासन का पालन करें।
5) छठी कक्षा के छात्र और छात्राएँ शामिल नही हो सकते।

तुम्हारे विचार से इस क्लब को अच्छी तरह चलाने के लिए नियमों की जरूरत है या नहीं? अपने जवाब का कारण भी बताओ।

बिल्कुल इस क्लब को चलाने के लिये नियमों की आवश्यकता है बिना नियमों के अनुशासन स्थापित नहीं हो सकेगा और सदस्य आपस मे तनाव मे रहेंगे और ध्येय पूरा नही हो सकेगा। खेल-कूद का कार्यक्रम चौपट हो जायेगा।

एक, दो, तीन

दिनेश ने तिमंज़ली इमारत की ओर देखा। जिस इमारत में तीन मंज़िलें हो, उसे तिमंजिली कहते है। बताओ, इन्हे क्या कहेंगे?

1 जिस मकान में दो मंज़िले हो
दुमंज़िला

2 जिस स्कूटर मे दो पहिए हों
दुपहिया स्कूटर

3 जिस झंडे मे तीन रंग हो
तिरंगा झण्डा

4 जिस जगह पर चार राहें मिलती हो
चौराहा

5 जिस स्कूटर मैं तीन पहिए हों
तिपहिया स्कूटर

सब्जी एक नाम अनेक

एक ही सब्जी या फल के नाम अलग अलग होते हैं। नीचे ऐसे कुछ नाम दिए गये है।
हमारे शहर में निम्न शब्द इस्तेमाल किए जाते हैं?

1) सीताफल
2) अमरूद

3) तोरी
4) काशीफल
5) बेंगन
6) तरबूज
7) घीया

बाकी नामों का इस्तेमाल किन-किन स्थानों पर होता है? पता करो।

कांदा - गुजरात, मुम्बई
बटाटा - मुम्बई, गुजरात
कुम्हड़ा - उत्तर प्रदेश, बिहार
नेनुआ - बिहार, झारखण्ड

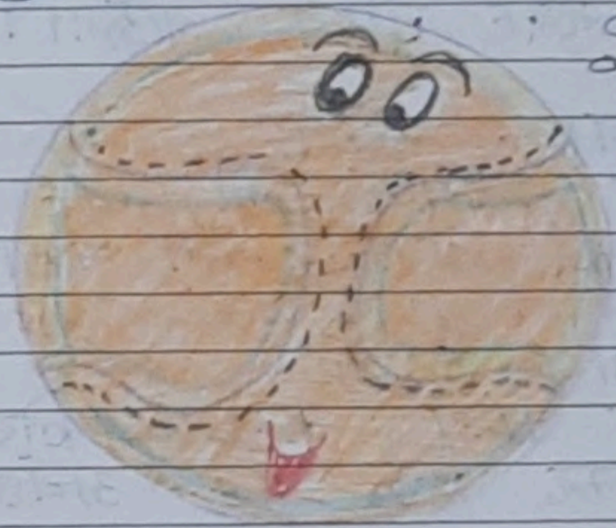

पाठ - ४

DATE 3/2/

पापा जब बच्चे थे

नवीन शब्द

अक्सर - ज्यादातर
अक्सर विद्यार्थी गृह कार्य करना भूल जाते हैं।

यकीन - मैं यकीन से कह सकता हूँ कि मैं प्रथम आऊँगा।

तय करना - निश्चय करना
मैंने तय किया है कि अब से मैं रोज सुबह दौड़ने जाऊँगा।

गँवाना - खोना
अपनी नासमझी की वजह से मोहन सरकारी नौकरी गँवा बैठा।

अचंभा - हैरानी
अपना नाम फुटबॉल लिस्ट में न पाकर मुझे बहुत अचंभा हुआ।

अजनबी - अनजान आदमी
हमें अजनबी से बात नहीं करनी चाहिये।

DATE 3/3/

चौकीदार - रखवाली करने वाला
चौकीदार ने बहादुरी और चतुराई से चोर को पकड़ लिया।

प्लेटफॉर्म - रेलगाड़ियों के रुकने का स्थान। एक ऊँचा स्थान
रेलगाड़ी प्लेटफॉर्म से चली गई और वह देखता ही रहा।

स्टेशन - रेलगाड़ियों के रुकने की जगह।
स्टेशन पर कोई स्टेशन मास्टर नहीं है।

अभिनेता - अदाकार, अभिनय करने वाला
मोहन का लक्ष्य अभिनेता बनना है।

वायुयान - हवा में उड़ने वाला जहाज़
मेरे पिताजी के पास स्वयं का एक वायुयान है। हम उसमें सैर सपाटे को जाते हैं।

कोशिश - प्रयत्न
हमें कोशिश कभी नहीं छोड़नी चाहिये, सफलता अवश्य मिलती है।

तुम्हारी बात

(क) पापा ने जितने काम सोचे, उनमें से तुम्हें सबसे दिलचस्प काम कौन-सा लगता है? क्यों?
सबसे दिलचस्प काम वायुयान का चालक बनना लगता है। क्योंकि आकाश में पक्षियों की तरह उड़ना एक सुन्दर अनुभव होगा

(ख) क्या तुम्हें भी घर में बताया जाता है कि तुम्हें बड़े होकर क्या काम करना है? कौन कौन कहता है? क्या कहता है।
हाँ मुझे भी घर में बताया जाता है कि मुझे बड़े होकर क्या काम करना है।
दादा जी कहते हैं कि डॉक्टर बनना ठीक रहेगा। यह एक अच्छा विकल्प है।

(ग) अपने मम्मी या पापा से पता करो कि वे जब बच्चे थे तब बड़े होकर क्या क्या करने की सोचते थे।
माताजी अध्यापिका बनना चाहती

थी और पिताजी फौजी अफ़सर बनना चाहते थे।

(घ) अपने घर के किसी भी एक सदस्य से उसके काम के बारे में जानकारी हासिल करो।
मेरे पिताजी फौज में काम करते हैं और उनके काम को डिफेन्स सर्विसेज़ के नाम से जाना जाता है।
इस काम को अच्छी तरह से करने के लिये कौन कौन से बातें मालूम होनी चाहिये।
उनके काम को करने के लिये, हथियार चलाना, मार्च पास, फ्लैग होस्टेंग (ध्वजारोहण), हिसाब-किताब और अनुशासन के बारे में पता होना चाहिये।
उन्हें अपने काम में किन किन बातों से परेशानी होती है।
उन्हें छुट्टी के लिये कईबार आवेदन करना पड़ता है।
उनका काम जोखिम भरा है और जान भी जा सकती है।
उन्हें धूप और बारिश में भी अपने कार्य को पूरा करना होता है।

RANKA DATE 3.6.21 PAGE

कहानी से आगे
शुरू-शुरू में पापा चौकीदार बनना चाहते थे।
(क) चौकीदार रात को भी काम करते हैं। इसके अलावा और कौन-कौन से कामों मे रात को जागना पड़ता है?
निम्न कामों में रात को जागना पड़ता है।
1) अस्पताल में चिकित्सक एवं नर्स को।
2) पुलिस स्टेशन में पुलिसकर्मचारियो को।
3) सीमा पर तैनात फौजी को
4) कॉल सेन्टर मे काम करने वालोंको

(ख) पापा कई तरह के काम करना चाहते थे।
क्या तुम किसी व्यक्ति को जानते हो जो एक से ज्यादा तरह के काम करता है? उस व्यक्ति के बारे मे बताओ।
हमारा माली दिन में खेतों में काम करता है और रात को चौकीदार का काम भी करता है।

RANKA DATE 3.7.21 PAGE

वह साइकेल का काम भी जानता है और आवश्यकता पड़ने पर दुकान पर भी जाता है।
मैने कई बार उसे पानी की मोटर ठीक करते भी देखा है।

आओ खेलें -शेखचिल्ली कहता है।
शेखचिल्ली इस तरह के आदेश दे सकता है।
1) शेखचिल्ली कहता है- अपने दाये हाथ को सिर के पीछे से लेजाकर नाक को पकडो।
2) शेखचिल्ली कहता है- खडे होकर झुको
उपरोक्त आदेश ही मानेगे क्योंकि इसके साथ ही जुडा है- शेखचिल्ली कहता है।

सोच विचार
अफ़सर के जाने के बाद पापा बहुत सोचते रहे। बताओ वह क्या क्या सोच रहे होंगे? सही का निशान लगाओ
1 यह अफ़सर आखिर है कौन
2 अब मैं रोज रोज अपना इरादा नहीं बदल सकता। ✓

DATE 3/8/

3 कुत्ता बनना बड़ा कठिन काम है। ✓
4 यह फौजी अफ़सर मुझपर हँसा क्यों नहीं, बाकी सब तो हँसते हैं। ✓
5 इस अफसर को कुत्ता बनना नही आता। इसीलिये मुझे बहका रहा है। ✗
6 मुझे इंसान ही बनना चाहिये। ✓

अमर....

पापा ने कहा, "अपना ठेला मैं स्टेशन के पास ही खड़ा करूँगा।"

(क) अगर तुम पापा की जगह होते तो ठेला कहाँ लगाते?
ऐसा तुमने क्यों तय किया
मैं ठेला बाजार मे किसी चौराहे पर लगाता।
ऐसा मैंने इसलिये तय किया, क्योंकि वहाँ ज्यादा लोग आते हैं और ज्यादा बिकरी होती।

(ख) अगर तुम रेल से सफर करोगे तो तुम्हें प्लेटफॉर्म और रेलगाड़ी में कौन कौन लोग नजर आएँगे?
निम्नलिखित लोग नजर आएगे
(1) टी टी ई (2) पुलिस (3) कुल्ली

DATE 3/9/

(4) ठेलेवाले (5) यात्री (6) सफाई कर्मचारी

परिवार

पापा के पापा को दादा कहते हैं। तुम अपने घर मे क्या कहकर बुलाओगी?

पापा के पापा	दादा जी
पापा की माँ	दादी जी
पापा के बड़े भाई	ताया जी, ताऊ जी
पापा की बहन	बुआ जी
पापा के छोटे भाई	चाचा जी
माँ के पापा	नाना जी
माँ की माँ	नानी जी
माँ के भाई	मामा जी
मा की बहन	मौसी जी
बहन के पति	जीजा जी

एक शब्द के बदले दूसरा

(क) पाठ मे ऐसे शब्दो के पाँच उदाहरण छाँटो।
उनसे : उनसे कहो कि हम आ रहे है।
उनका : यह उनका सामान नही है।
उन्हे : हम उन्हे जानते है, वह

RANKA DATE 5/01

हमारे पडोसी है।

यह : यह रेलगाड़ी कहाँ जायेगी?
उसे : उसे हमारी कहानी
सुनाई तो वह खुश हुआ।

कौन किससे तेज़

1 जो बढ़िया कहानी गढ़ सकते है : रीना
2 जो खूबसूरत कढ़ाई कर सकते है : दादी जी
3 जो कलाबाजियाँ दिखा सकते है : रोहन
4 जो दूसरो की बढ़िया नकल उतार.. : पिता जी
5 जो हाथ से बढ़िया स्वेटर बुन : दादी जी
6 जो सबके सामने किसी चीज.. : मैं
7 जो कठिन पहेलियाँ सुलझा सकते : पिताजी
8 जो खुलकर जोर से हँस सकते है : जीजा जी
9 जो तरह तरह की आवाजे बना : मैं
10 जो अंदाजे से ही चीजों का सही : दादाजी
11 जो बढ़िया अभिनय कर सकते है : तायाजी
12 जो बेकार पड़ी चीजों से सुंदर। नानाजी

तुम किन-किन चीजों मे माहिर हो -
मैं कविता लिखने में, साइकिल चलाने मे, चित्र बनाने मे और दौड़ लगाने मे माहिर हूँ।
मैं बेकार चीजों से सुन्दर वस्तु भी बना सकता हूँ।

RANKA DATE 5/1/

कैसे थे पापा

(ख) पापा का जवाब हमेशा अलग-अलग होता था।
ऐसा लगता है कि वह उलझन में थे और अपना इरादा बदलते रहते थे।

(ग) मैं छोटे बच्चों को मुफ्त मे आइसक्रीम दिया करूँगा।
ऐसा लगता है कि पापा दयालु थे और बच्चों से प्यार करते थे।

(घ) रात मे करने के लिये होता ही क्या है? रात मे मैं चौकीदारी करूँगा। ऐसा लगता है कि वह बहुत मेहनत करना चाहते थे और खूब धन कमाना चाहते थे।
वह खूब व्यस्त रहना चाहते थे।

पापा
भैया
चाचा
चाची
दीदी
बाबा
माँ

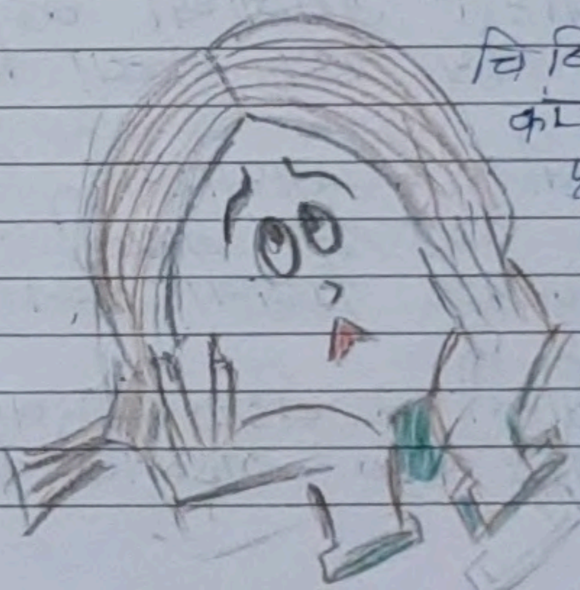

चिकित्सक
कंप्यूटर सीखो
प्रोफेसर
अफसर
कलेक्टर
फौजी
इंजीनियर

पाठ - ५

RANKA DATE ५।२।

दोस्त की पोशाक

नवीन शब्द

पोशाक = पहनने का कपडा।
विवाह उत्सव के लिये सबने नई पोशाक सिलवाई।

गपशप - बातचीत, वार्तालाप
मूर्ख लोग गपशप में ही अपना समय व्यर्थ गवाँ देते है।

बनठन कर = सजधज कर
वह बनठन कर विद्यालय आता है। यह सही नहीं है।

गर्मजोशी = उत्साह
रोहित गर्मजोशी के साथ मिला वह मेरा सच्चा मित्र है।

मामूली = साधारण
बडे देशो में मामूली लोगों को भी न्याय मिलता है।

भडकीली = चटक रंग वाली
रीना बहुत भडकीली पोशाक पहनती है।

RANKA DATE ५।३।

तुम्हारे सवाल

१ नसीरुद्दीन किससे मिले?
नसीरुद्दीन अपने पुराने दोस्त जमाल साहब से मिले।

२ उन दोनो ने क्या किया?
उन दोनों ने कुछ देर गपशप की और फिर घूमने निकल पडे।

३ वे दोनों कहाँ घूमने गए?
वे दोनों मोहल्ले में घूमने गये।

४ नसीरुद्दीन अपने दोस्त के लिये क्या लाये।
नसीरुद्दीन अपने दोस्त के लिये एक भडकीली अचकन लाए।

५ नसीरुद्दीन ने अपने पडोसी को क्या बताया?
नसीरुद्दीन ने अपने पहले पडोसी को बताया कि जमाल साहब ने जो अचकन पहनी है वह उनकी है।

तुम्हारी बात

(क) तुम बनठन कर कहाँ-२ जाते हो?

मैं बनठनु कर मेला घूमने जाता हूँ।

(ख) तुम किस-किस तरह से बनते ठनते हो?
मैं नहा धो के, इस्त्री किये कपड़े पहनता हूँ और इत्र भी लगाता हूँ।

तुम्हारी समझ से

(क) तीसरे मकान से बाहर निकलकर जमाल साहब ने नसीरुद्दीन से क्या कहा होगा?
जमाल साहब ने कहा होगा कि मैंने अचकन के बारे में कुछ न कहने को कहा था फिर भी तुमने अचकन का जिक्र किया। उन्हें जरूर पता चल गया होगा कि अचकन का कोई राज है।

(ख) जमाल साहब अपने मामूली से कपड़ों में घूमने क्यों नहीं जाना चाहते होंगे?
शायद उनका ख्याल हो कि आदमी की हैसियत उसके कपड़ों से होती है। अगर वह मामूली से कपड़े पहनेंगे तो लोग समझेंगे कि वह कोई साधारण व्यक्ति है।

(ग) नसीरुद्दीन अपनी अचकन के बारे में हमेशा क्यों बताते होंगे?
नसीरुद्दीन एक हँसमुख इंसान थे, ऐसा लगता है वह अपने दोस्त के साथ ठिठोली करते होंगे।

गपशप

लिखकर बताओ? क्या बात हुई होगी
बेगम - कौन आया था?
हुसैन साहब - नसीरुद्दीन अपने दोस्त के साथ आया था।
बेगम - वह इतनी देर तक क्या बातें कर रहे थे।
हुसैन - कुछ खास नहीं यूँ ही गपशप
बेगम - मैंने सुना कि कोई अचकन का मामला भी था? क्या बात थी?
हुसैन - पता नहीं। नसीरुद्दीन कुछ कहते कहते रुक गये मानो कोई राज की बात थी

RANKA DATE 4/6/ PAGE

बेगम - मुझे लगता है यह वही अचकन है जो कालू दर्जी के यहां से चोरी हुई थी

छुट्टन - (सिर खुजलाते हुए) जा कर यह बात यूसुफ कादरी से पता करता हूं।
(वह चला जाता है)

घूमना-फिरना

तुम अपने दोस्तो से मिलते हो, तब क्या-क्या करते हो?
जब मैं अपने दोस्त से मिलता हूं तो हम पार्क में क्रिकेट खेलने जाते है और लौटते वक्त चाट पकौडी खाते है।
हम मिलकर गपशप करते है और पढाई भी करते है।

घडों पानी पडना

(क) घडों पानी पडना एक मुहावरा है इसका क्या अर्थ है।
घडो पानी पडना = शर्मिंदा होना

(ख) सिर मुंडाते ही ओले पडना :

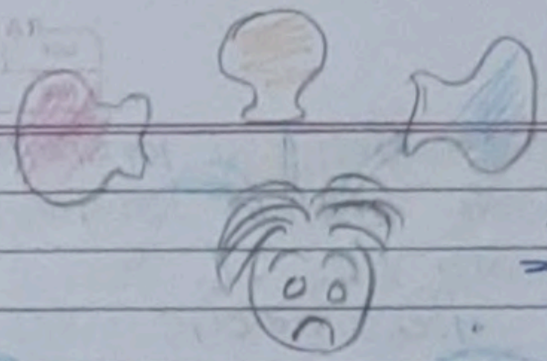

RANKA DATE 4/7 PAGE

घडों पानी पडना
= शर्मिंदा होना

सिर मुण्डाते ही ओले पडना
= विपदा आ जाना

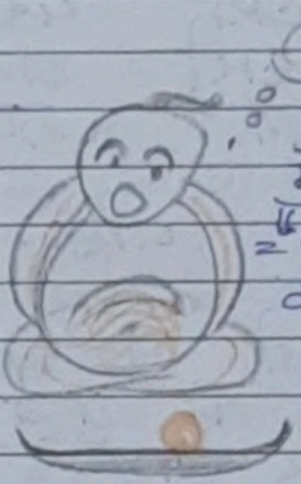

ऊट मे मुँह मे जीरा
= बहुत चाहने वाले को बहुत कम मिलना

दिये तले अंधेरा
= दूसरों को उपदेश देना पर स्वयं अमल न करना

ईद का चाँद
= बहुत मुश्किल से मिलना कभी कभी दिखना

DATE 5/8/

कौन है कैसा विशेषण

नसीरूद्दीन एक भड़कीली अचकन निकालकर लाये।.....
उन्हे छाँटकर नीचे लिखो

मामूली	पोशाक
खास	दोस्त
अन्य	पड़ोसी
कई	साल
अपनी	अचकन
तुम्हारा	पड़ोसी
तुम्हारी	अक्ल
अपने	कपड़े

पास - पड़ोस

पड़ोस के घर में जाकर नसीरूद्दीन पड़ोसी से मिले।.....

घर में कुल कितने लोग है?
चार लोग है।

उनके नाम क्या है।
बिमला, रिया, दिपन्दर और गौरव

उनकी आयु क्या है।

बिमला -	30 वर्ष
रिया -	15 वर्ष
दिपन्दर -	50 वर्ष
गौरव -	2 वर्ष

DATE 5/8/

उनकी आयु के हिसाब से बड़े से छोटा।

दिपिन्दर	आयु 50 वर्ष	पिता
बिमला	आयु 30 वर्ष	माता
रिया	आयु 15 वर्ष	पुत्री
गौरव	आयु 2 वर्ष	पुत्र

वे क्या काम करते है।

दिपिन्दर	सरकारी नौकरी
बिमला	गृहणी
रिया	स्कूल जाती है
गौरव	घर पर रहता है।

वे लोग शाकाहारी हैं या माँसाहारी

दिपेन्दर	शाकाहारी
बिमला	माँसाहारी
रिया	माँसाहारी
गौरव	दुध पीता है और फल खाता है

वे लोग छुटियों मे कहाँ जाते है
वह लोग छुटियो मे शिमला जाते हैं।

उनके पास कौन कौन सी गाडी है।
उनके पास मारूति की कार है।

आदि

RANKA
DATE 50।
PAGE

शब्दों का हेरफेर

नीचे इसी तरह के कुछ शब्दों के जोड़े दिये गये हैं। इन सबके अर्थ अलग-अलग हैं। इन शब्दों का वाक्यों मे प्रयोग करे।

घड़ा - गढ़ा

घड़ा = मिट्टी का घड़ा फूट गया।

गढ़ा = सुनीता ने झूठी कहानी गढ़ी

धूम - झूम

धूम = हम घूमने जा रहे है।

झूम = पिकनिक मे सब बच्चे झूम रहे थे और गाना गा रहे थे

राज - राज़

राज = भारत पर मुगलों, तुर्कों ने और अंग्रेजो ने शासन किया।

राज़ = मीरा ने राज़ की बात बता दी।

फ़न - फन

फ़न = रोहित चित्रकारी के फ़न में माहिर है।

फन = मैंने साँप का फन कुचल दिया

सजा - सज़ा

सजा = दीपावली पर दुकानो को सजाया जाता है।

RANKA
DATE 51।
PAGE

सज़ा = शीला को अपराध को सज़ा हुई।

खोल - खौल

खोल = वह मोटर का दरवाजा खोल कर चला गया।

खौल = चाय खौल रही है, गैस चूल्हा बन्द कर दो।

पाठ 1 से 5 का व्याकरण

विलोम शब्द

सुबह × शाम
मुश्किल × आसान
अंत × आरंभ
दिन × रात
बेचना × खरीदना

नीचे लिखे वाक्यों में अंकित सर्वनाम शब्द लिखिये।

(क) उन्हे पक्का यकीन था, बड़े होकर वह चौकीदार ही बनेंगे।

(ख) मुझे तो पता नहीं आप ही बता दीजिये।

(ग) जब रेलगाड़ी अपनी यात्रा पूरी कर लेती है, तो उसे अगली यात्रा के

लिये तैयार करना होता है।

निम्नलिखित शब्दों के लिये एक शब्द लिखो

विशेष्य		विशेषण
नसीरुद्दीन	-	मूर्ख
धनुष	-	सुन्दर
पोशाक	-	भड़कीली
कोयल	-	काली / मीठी
सीढ़ी	-	काली
सड़क	-	चौड़ी

शब्द		अर्थ
छाँव	-	छाया
दूब	-	घास
सवाल	-	प्रश्न
जवाब	-	उत्तर

विलोम शब्द

दिन	-	रात
धूप	-	छाँव
खट्टा	-	मीठा
भरा	-	खाली

समान अर्थ वाले शब्द

जल	→	पानी
	→	जलना
धुन	→	लगन
	→	गाने की धुन
सोना	→	धातु
	→	नींद लेना
घड़ी	→	समय बताने वाला यंत्र
	→	पल

लिंग बदलो		वचन बदलो	
नाग	नागिन	बकरी	बकरियाँ
सेवक	सेविका	पुस्तक	पुस्तकें
पुरुष	स्त्री	किताब	किताबें
आदमी	औरत	कक्षा	कक्षाएँ

अनेक शब्दों के एक शब्द लिखो

साथ पढ़ने वाला - सहपाठी

दूसरे देश की वस्तु विदेशी

लिंग बदलो		वर	वधू
हाथी	हथिनी	भगवान	भगवती
अध्यापक	अध्यापिका	शिष्य	शिष्या
पंडित	पंडिताइन	सिंह	सिंहनी
भाई	बहन	कुत्ता	कुत्तियाँ

विलोम शब्द

स्वर्ग	×	नरक
पुराना	×	नया
शुभ	×	अशुभ
खुश	×	उदास
कठोर	×	कोमल
मानव	×	दानव
झूठ	×	सच
राजा	×	रंक
पास	×	दूर
प्यार	×	नफरत
खास	×	साधारण
सर्दी	×	गर्मी
बूढा	×	जवान
दिन	×	रात

पर्यायवाची शब्द

भगवान	प्रभु ; परमात्मा
दिन	दिवस , वार
आग	अनल ज्वाला
हाथ	हस्त कर
पक्षी	खग विहंग
पुत्र	पूत बेटा
समुद्र	सागर सिन्धु
कपडा	वस्त्र अंबर

तलाब	सरोवर , पोखर
संसार	लोक , जग

अनेक शब्दों के एक शब्द

१ प्रतिदिन होने वाला - दैनिक
२ जिसके मन में दया हो - दयालु
३ जो सदा सत्य बोलता हो - सत्यवादी
४ साथ पढ़ने वाला - सहपाठी
५ गाँव में रहने वाला - ग्रामीण
६ भगवान को मानने वाला - आस्तिक
७ भगवान को न मानने वाला - नास्तिक
८ अपने देश की वस्तु - स्वदेशी
९ दूसरे देश की वस्तु - विदेशी
१० जिसका मूल्य ना किया जा सके - अमूल्य

प्रिय खेल - क्रिकेट

भारत में अनेक खेल प्रचलित है। जैसे - हॉकी , क्रिकेट , कबडी , आदि लेकिन वर्तमान समय में क्रिकेट सबसे ज्यादा लोकप्रिय है। मुझे भी क्रिकेट का खेल बहुत प्रिय है। क्रिकेट के खेल का आरम्भ इंग्लैण्ड में हुआ था। इसे खेलने के लिये बड़ा मैदान चाहिये।

को टीम बनाकर खेला जाता है। हर टीम में ११ खिलाडी होते हैं। मै भी एक क्रिकेट का खिलाडी बनना चाहूँगा।

नसीरुद्दीन का निशाना

नवीन शब्द

तीरंदाजी = धनुष से बाण चलाना
राकेश तीरंदाजी की प्रतियोगता जीत कर आया है।

धनुष = बाँस से बना शस्त्र
गांडीव शिवजी का धनुष था, जिसे श्री अर्जुन जी ने तोड़ा।

हरगिज़ = कदापि, कुत्तई
मै हरगिज़ा नही भूलूगा कि कल परीक्षा है।

मुकाबला = प्रतियोगता
असली बल का पता कुश्ती के मुकाबले मे चलता है।

विजेता = सफल होने वाला
कारगिल युद्ध मे भारत विजेता बन के उभरा।

आश्चर्य = हैरान
पुलिस को देखकर शीला

आश्चर्य मे पड़ गई।

सेना पति = सेनानायक
सेनापति ने सेना की टुकडी मे नया जोश भर दिया।

अंदाज़ = ढंग, तरीका
वह एक सुशील लड़का है, परन्तु उसका अंदाज ठीक नही है।

बतियाना = बात करना
कक्षा मे बतियाने की सजा अवश्य मिलेगी।

फैसला = निर्णय
न्यायाधीश का फैसला उचित नही था, अंजू को फाँसी होनी चाहिये थी

थामना = सौंपना
बालक पिताजी को सामान थमाके खेलन लगा

चूकना = निशाना सही न लगाना
शिकारी का निशाना चूका और वह चला गया।

बेहतरीन = बहुत अच्छा, ज्यादा अच्छा
यह एक बेहतरीन रेशमी साड़ी है।

प्र०1 एक दिन नसीरुद्दीन क्या कर रहे थे
एक दिन नसीरुद्दीन अपने दोस्तो के साथ बतिया रहे थे।

प्र०2 नसीरुद्दीन की गप्प क्या थी?
नसीरुद्दीन की गप्प थी कि तीरंदाजी मे कोई मेरा मुकाबला नही कर सकता।

प्र०3 निशाना चूकने पर नसीरुद्दीन ने क्या क्या बहाना लगाया?
निशाना चूकने पर नसीरुद्दीन ने पहली बार यह बहाना लगाया कि यह निशाना मेरा नही काजी का था।
दूसरी बार नसीरुद्दीन ने कहा- "यह निशाना मेरा नहीं था, यह तो सेना पति का था।

प्र०4 विजयी होने पर नसीरुद्दीन ने क्या कहा?
विजयी होने पर नसीरुद्दीन ने

कहा कि देखा तुमने यह था मेरा निशाना।

रिक्त स्थानों को भरिये?
बात ही बात में उन्होंने गप्प मारना शुरु कर दिया।

उन्होंने नसीरुद्दीन की परीक्षा लेने का फैसला किया।

क्या यही तुम्हारा बेहतरीन निशाना था?

नसीरुद्दीन ने एक विजेता के अंदाज़ में कहा- "देखा तुमने यह था मेरा निशाना"

नीचे लिखे शब्दो को समझिये और लिखये
सेना + पति = सेनापति
समाचार + पत्र = समाचार पत्र
करोड + पति = करोड पति
कमल + नयन = कमल नयन
राष्ट्र + पति = राष्ट्रपति
पीत + अम्बर = पीताम्बर
रघु + पति = रघुपति

डाक + घर = डाकघर
लख + पति = लखपति
पाठ + शाला = पाठशाला
गौ + शाला = गौशाला
पुस्तक + आलय = पुस्तकालय
विद्या + आलय = विद्यालय

निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग करो।

१) घड़ों पानी पड़ना : अत्यन्त लज्जित होना।
सुनीता चोरी करते पकड़ी गई तो मानो उसपर तो घड़ों पानी पड़ गया।

२) कान करना : चुगली करना
कान करने वाले मित्रों से सावधान रहना चाहिये।

३) आगर मागर करना : बचने का बहाना
चुनाव जीतने के बाद जब नौकरी देने की बात आई तो नेता जी आगर-मागर करने लगे।

४) अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना : अपनी

प्रशंसा स्वयं करना।
चुनावी भाषणों में नेता जन बस मुँह मियाँ मिट्ठू बनते हैं।

५) बंगाली में आटा गीला होना :
विपत्ति के समय में और विपत्ति आना।
मरीजों का पहले तो सरकार ने घर तोड़ दिया और अब जुर्माना लगा दिया मानो बंगाली में आटा गीला हो गया।

६) नसीरुद्दीन का चित्र बनाओ :

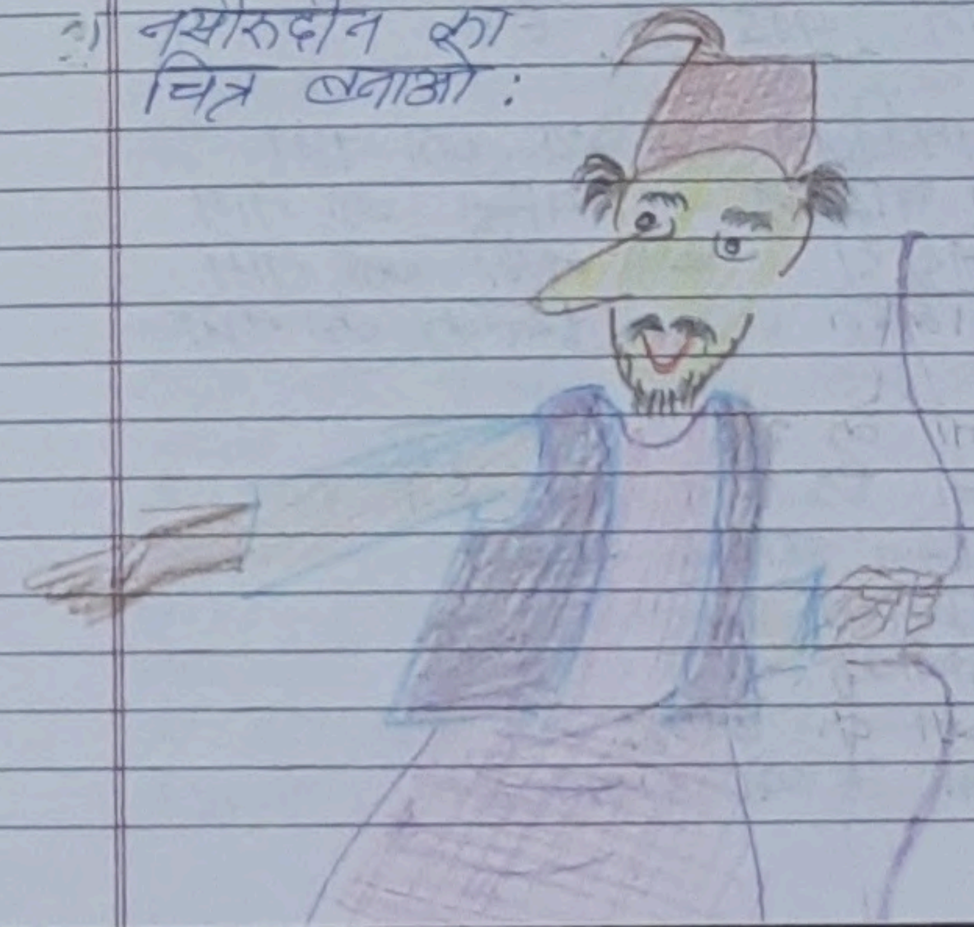

संज्ञा और उसके भेद

संज्ञा : जिस शब्द से किसी भी व्यक्ति, वस्तु स्थान जाति या भाव, दशा के नाम का बोध हो उसे संज्ञा कहते हैं।

अमरीका एक विकसित देश है। वहाँ के राष्ट्रपति का नाम जो बाइडन है वहाँ एक नदी है जिसका नाम मिसूरी है। वह एक ईसाई देश है, ईसाई धर्म की पुस्तक का नाम बाइबिल है।

अमरीका = देश का नाम
जो बाइडन = व्यक्ति का नाम
मिसूरी = नदी का नाम
बाइबल = पुस्तक का नाम

संज्ञा के भेद
संज्ञा के तीन भेद हैं।
1 व्यक्त वाचक संज्ञा
2 भाववाचक संज्ञा
3 जातिवाचक संज्ञा

संज्ञा के उपभेद
संज्ञा के दो उपभेद हैं।

1 द्रव्य वाचक संज्ञा
2 समूह वाचक संज्ञा

व्यक्तवाचक संज्ञा

जिन शब्दों से किसी विशेष व्यक्ति विशेष सामग्री, विशेष स्थान या विशेष वस्तु का बोध हो उन्हें व्यक्तवाचक संज्ञा कहते हैं।

उदाहरण के लिये

रमेश - व्यक्ति का नाम
शिवानी - व्यक्ति का नाम
आगरा - स्थान का नाम
कुरान - किताब का नाम
ताजमहल = इमारत का नाम
एम्स = अस्पताल का नाम

भाववाचक संज्ञा

जो शब्द गुण, धर्म, दशा, अवस्था भाव आदि का बोध कराये उसे भाववाचक संज्ञा कहते है।

उदाहरण के लिये -

क्रूरता, प्यास, थकावट, चोरी, घृणा क्रोध, सुंदरता आदि।

भाववाचक संज्ञाओं का सम्बंध भावों से होता है। इनका कोई रूप या आकार नहीं होता। यह केवल

महसूस किये जाने वाले शब्द है।
जैसे -
बुराई से बचो। घर से विद्यालय की दूरी अधिक नहीं है।

जातिवाचक संज्ञा
जो शब्द एक ही जाति के विभिन्न व्यक्ति, प्राणियों, स्थानों एवं वस्तुओं का बोध कराते है उन्हे जातिवाचक संज्ञा कहते है।
जैसे - कुत्ता, गाय, हाथी, मनुष्य, पहाड़ आदि जातिवाचक संज्ञा है।
यह शब्द एक ही जाति के प्राणियो वस्तुओ एवं स्थानो का बोध करा रहे है।

द्रव्यवाचक संज्ञा
जिन शब्दो से किसी पदार्थ या धातु का बोध हो, उन्हे द्रव्यवाचक संज्ञा कहते है।
जैसे - दूध, घी, सोना, चाँदी, पानी आदि द्रव्यवाचक संज्ञा है।

समूहवाचक संज्ञा
जो शब्द किसी समूह या समुदाय

का बोध कराते है। उन्हें समूहवाचक संज्ञा कहते है।
जैसे: भीड मेला, जत्था, समिति, झुण्ड आदि समूह वाचक संज्ञा है।

संज्ञा के पाँच भेद और उनके उदाहरण लिखो।
1 व्यक्तिवाचक संज्ञा - भारत, दुबई, गाँधी यमुना, कुतुबमीनार, मीनाक्षी मोहन।
2 जातिवाचक संज्ञा - स्कूल, जानवर लडका, पहाड आदि।
3 भाववाचक संज्ञा - बचपन, बुनियाद मिठास, मोटापा आदि।
4 द्रव्यवाचक संज्ञा - सोना, काँच, तेल लोहा, मिट्टी आदि
5 समूहवाचक संज्ञा - भीड, झुण्ड, सेना दल, परिवार, प्रजा आदि।

सर्वनाम
सर्व+नाम = सबके लिये एक नाम जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त हो उसे सर्वनाम कहते है।

उदाहरण के लिये –
मै, तुम, वह, उनका, उनकी,
इस, मेरा, उन्होंने, इन्होंने, हम, आप।

सर्वनाम के छः भेद

1) पुरुषवाचक सर्वनाम
2) निश्चयवाचक सर्वनाम
3) अनिश्चयवाचक सर्वनाम
4) संबंधवाचक सर्वनाम
5) प्रश्नवाचक सर्वनाम
6) निजवाचक सर्वनाम

विशेषण

जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताए उसे विशेषण कहते है।
गुण - दोष, संख्या, नापतोल, कैसा

विशेषण के भेद

1) गुणवाचक विशेषण
2) संख्यावाचक विशेषण → निश्चित संख्यावाचक / अनिश्चित संख्यावाचक
3) परिमाणवाचक विशेषण
4) संकेतवाचक विशेषण

क्रिया

जिस शब्द से किसी काम का होना या करना पाया जाए उसे क्रिया कहते है।
जैसे - पढ़ना, खेलना, सोना, दौड़ना, रोना, जीतना आदि

क्रिया के भेद

1) सहायक क्रिया
2) पूर्वकालिक क्रिया
3) नामबोधक क्रिया
4) द्विकर्मक क्रिया
5) संयुक्त क्रिया
6) क्रियार्थक क्रिया

संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण दो। क्रिया आदि

राम पढ़ता है
↓ संज्ञा ↓ क्रिया

अंशु बड़ी होशियार है → काल
↓ संज्ञा ↓ प्रविशेषण (विशेषण की विशेषता) ↓ गुणवाचक विशेषण

पाठ - ६

नाव बनाओ नाव बनाओ

नवीन शब्द

धरेगा - रखेगा
बालक ने मिट्टी से सने कपड़े अपनी माँ के हाथ में धर दिये।

गुल्लक - कुब्बनी पैसे जमा करने का पात्र। मेरी गुल्लक मे 100 रुपये है।

टटोलो - खोजो
किराया देने के लिये वह अपनी जेब टटोलने लगा।

हर्षाओ - बहुत खुश होना
बारिश होने पर पेड़, पौधे, जानवर और मनुष्य सभी हर्षा उठते है।

लपक - फुर्ती से, झटके से
मिनाक्षी ने लपक के सारी गेंद ले ली।

खोट - दोष
रमेश मे खोट नहीं है, खोट तो

सुनार मे है, जिसने नकली ज़ेवर दिये।

ठेलो - लुढ़काना, लुढ़काओ
मोटरगाड़ी ठेलो तो ही चालू होगी

पर्यायवाची शब्द

पानी - जल, नीर
बादल - मेघ, घन
नदी - सरिता, तटिनी
भाई - भ्राता, भ्रातृ
आँखे - नेत्र, चक्षु

समान तुक वाले शब्द

आया - छाया, लाया
पड़ेगा - भरेगा, धरेगा
अड़ती - बढ़ती, चढ़ती
ठेलो - खोलो, टटोलो
चमकीली - रंगीली, पीली
पाओ - आओ, हर्षाओ

विलोम शब्द

जल्दी × धीरे
भरा × खाली
घटना × बढ़ना
भाई × बहन
नया × पुराना
हल्का × भारी

कविता से

(क) भैया ने क्या बहाना किया? क्यों?
उन्होंने कहा कि नाव बनाना मेरे बस का काम नहीं है। क्योंकि भैया को बाजार जाकर कागज लाने मे आलस्य आ रहा था।

(ख) कौन बूँदों और लहरों से लड़ते हुए आगे बढ़ रही है?
कागज़ की नाँव बूँदों और लहरों से लडते हुए आगे बढ़ रही है।

(ग) किसकी गुल्लक भारी है? किसकी गुल्लक हल्की है?
भैया की गुल्लक भारी है। तथा बच्चे की गुल्लक हल्की है।

नाव की कहानी

मै एक नाव हूँ। मै कागज से बनी हूं। मुझे एक लडके ने बनाया। उसका नाम तो मुझे नहीं पता पर वह वहा रहता था वहा एक छोटा सा तालाब था। जिसमें बारिश का पानी एकत्ठा हो जाता था।
वह मुझे बनाकर बहुत खुश

हुआ और मुझे लेकर तालाब पर चला गया और मुझे पानी मे छोड दिया।
हल्की-हल्की हवा चल रही थी और मै बह चली इतनी दुर कि वह मुझे वापस न ला पाया।
कुछ देर मे मेरे उपर पानी ने अपना असर करना शुरू कर दिया और मै भीग गई।
वह मुझे डूपता हुआ देखकर उदास हुआ और चला गया।

अहा! बारिश!!

मेरी कविता
बारिश आई, बारिश आई,
और लाई कीचड भाई।
सड़क पे अब गड्ढे बनेगे,
और हम उसमे जाकर गिरेंगे।

नदियाँ दौडेगी किनारे तोडकर,
और हम भागेंगे घरको छोडकर।
फिर से वही समस्या आई,
हा हा बारिश आई, हा हा बारिश आई।

इस कविता को पढ़ते समय तुम्हारे मन मे कई चित्र आए होंगे उनके बारे मे बताओ या उनका चित्र बनाओ।

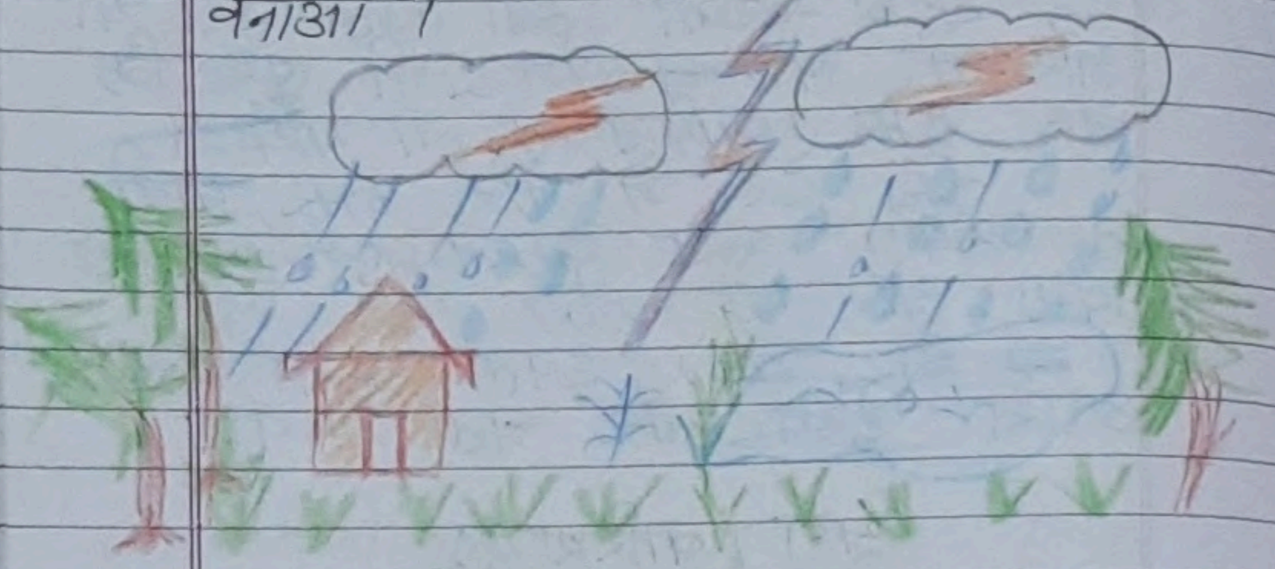

साात सुमुद्र

(क) पता करो सात समुद्र कौन-कौन से होंगे जिनसे बादल पानी भरकर लाया है।

1) हिन्दू महासागर
2) प्रशांत महासागर (उत्तरी)
3) अटलांटिक महासागर (उत्तरी)
4) आर्टिक महासागर उत्त
5) दक्षिण महासागर (एनटारटिक)
6) अटलांटिक महासागर (दक्षियी)
7) प्रशांत महासागर (दक्षियी)

(ख) क्या सचमुच बारिश के बादल समुद्र से पानी लाते है? वे इतना सारा पानी कैसे लाते है।

हा, बारिश के बादल सचमुच समुद्र से पानी लाते है। सूरज की गर्मी से पानी भाप बन कर आकाश मे चला जाता है और बादलो का निर्माण करता है। यही भाप ठण्डी हो कर पानी की बूंदे बन जाती है और धरती पर बरस जाती है।

मतलब हम कह सकते है कि बादल समुद्र से पानी लाते है। इस प्रक्रिया को वाटर साइकिल कहते है।

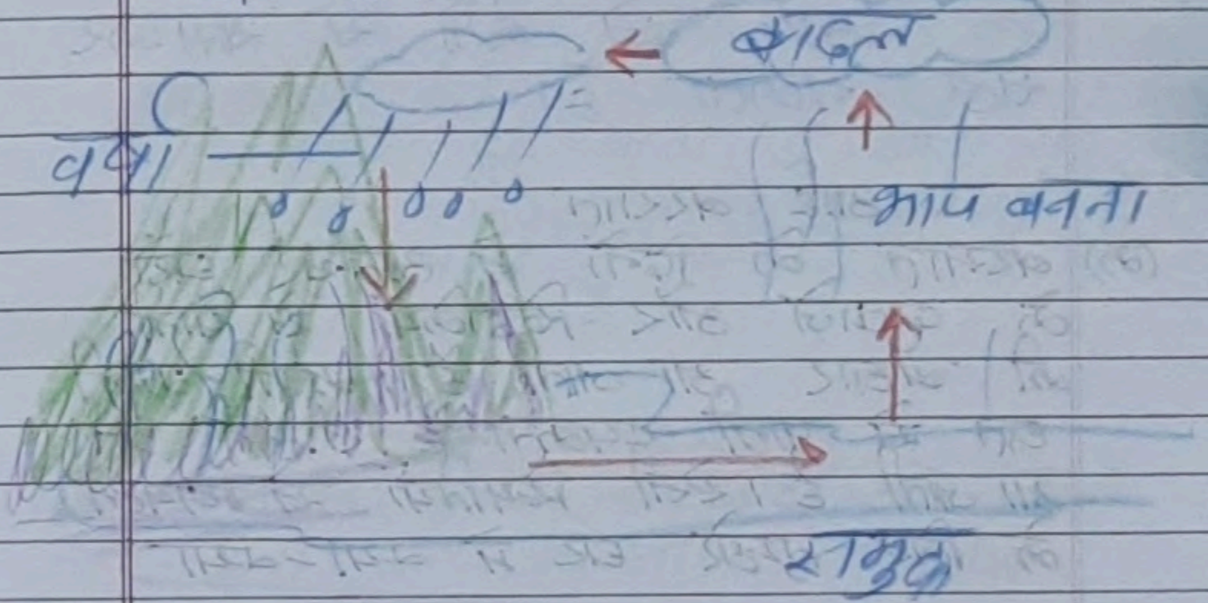

Page 48-49

RANKA
DATE / /
PAGE 74

सच मुच

सचमुच का इस्तेमाल करते हुए दो वाक्य बनाओ।

सोनू सचमुच बहुत अच्छा लड़का है
मैं सचमुच अमरीका गया था
मैं सचमुच तेज दौड़ सकता हूँ
मै सचमुच लड्डू लाया हूँ
क्या सचमुच आज परीक्षा है।

तरह-तरह की नावें

तुम कागज से कितनी तरह की नाँव बना सकते हो।

मै कागज के टुकड़ो को नाँव के आकार मे चिपकाकर नाँव बना सकता हूँ।
और इसे रंगो से सजाकर खेल सकता हूँ।

आई बरसात

(क) बरसात के दिनों मे अक्सर घरों के दरवाज़े और खिड़कियों से पानी की बौछार आ जाती है। कभी-कभी छत से पानी टपकता है, सीलन भी आ जाती है। ऐसी स्थितियों से बचने के लिए तुम्हारे घर मे क्या-क्या

RANKA
DATE / /
PAGE 75

किया जाता है।

हम लोग बरसात के दिनो मे छत पर जाकर पानी निकाल देते है।
खिडकियों और दरवाजो से बौछारे न आये इसलिये उन पर चिक लगाते है या शेड बनवाते हैं।
सीलन से बचने के लिये प्लास्टिक पेन्ट करवाते हैं।

(ख) बारिश के मौसम में गलियों और सड़कों पर भी पानी भर जाता है। तुम्हारे मोहल्ले और घर के आसपास बारिश आने पर क्या-क्या होता है, बताओ।

हमारे घर के आस पास नालियाँ भर जाती है और गन्दा पानी ऊपर आ जाता है।
सड़के टूट जाती है और गड्ढे बन जाते कई लोग गिर भी जाते है। गाडियाँ पानी मे फंस जाती है और बंद हो जाती है।

काम वाले शब्द

(क) काम वाले शब्दों को छाँटो और लिखो

आना घिसना छाना

लाना	पड़ना	खेलना
घूरना	भरना	लहरना
खेलना	चलाना	लड़ना
बढ़ना	गढ़ना	हर्षाना

ख तुमने जो क्रियाएं छाँटी है, वर्णमाला के हिसाब से उनके आगे 1,2,3 आदि लिखकर उन्हें क्रम से लगाओ।

१ अड़ना
२ खाना
३ खेलना
४ गढ़ना
५ घिरना
६ चलाना, छाना
७ टहलना
८ धरना
९ पड़ना
१० बढ़ना
११ भरना
१२ लड़ना
13 लहरना
१४ हर्षाना

अन्य प्रश्न

स्वयं कोई कहानी लिखो?
मेरी स्वरचित कहानी इस प्रकार है—

इंसान का कर्तव्य

एक बार एक राजा था। वह बहुत ही नेक दिल था। वह खूब दान किया करता था। एक दिन उस राजा को कयेना नामक बिमारी हो गई। प्रजा चिंतित हो गई और बड़े से बड़े वैद्य आये, पर राजा की सेहत मे कोई सुधार न हुआ।

एक किसान को यह बात पता चली और वह दौड़ा दौड़ा महल में आया और कहने लगा कि उसने अपने दादा जी से जड़ी बूटियों का ज्ञान प्राप्त किया है। क्या आप मुझे राजा का उपचार करने का मौका देंगे।

सबने हामी भर दी उस किसान ने कुछ विशेष जड़ी बूटियां पीस कर राजा को दे दी। कुछ दिनों मे राजा स्वस्थ हो गया और उसने किसान से कहा कि उसे क्या ईनाम चाहिये। उस किसान ने उत्तर दिया-"कुछ नही मैंने तो इंसान होने का कर्तव्य निभाया है।

आप हमारे पालनहार है। आप स्वस्थ हो गये। हमे सब कुछ प्राप्त हो गया

पाठ-7

दान का हिसाब

नवीन शब्द

सत्कार - आदर, सम्मान
मेरे पिताजी का उन्होंने खूब आदर सत्कार किया।

अकाल - भुखमरी
मौसम का अत्यधिक प्रकोप अकाल को न्यौता देता है।

लकदक - कीमती, मंहगा, चमक-दमक
नसीरुद्दीन की अचकन लकदक थी इसीलिये सब पूछ बैठे।

वक्त - समय, काल
बुरे वक्त में इंसान को धैर्य नहीं खोना चाहिये।

नामी लोग - प्रसिद्ध लोग
नेता पहले नामी लोगों के पीछे चलते है और अपना उल्लू सीधा करते ही बदल जाते है।

खबर - समाचार

आज कल देश में छपी खबरों का बोल बाला है।

बकवास - निरर्थक
बकवास की बाते करके अपना और बाकियो का समय व्यर्थ मत करो।

विद्वान - बुद्धिमान
विद्वान की प्रशंसा समंद्र पार तक जाती है।

राजभंडार - खजाना
राजभंडार भी खाली हो जाते हैं, व्यर्थ खर्चा नहीं करना चाहिये।

उपस्थित - हाजिर
आज कक्षा में करोना की वजह से बहुत कम बच्चे उपस्थित है।

सन्यासी - साधु
भारत झूठे सन्यासियों का गढ है।

समझौता - रजामंदी
सत्य और अहिंसा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

प्रसिद्ध - लोकप्रिय
लंदन एक प्रसिद्ध जगह है।

दिवालिया - धनहीन होजाना।
करोना की वजह से कई देश
दिवालिया हो गये।

लोभी - लालची
गीता एक लोभी लड़की है।

हुक्म - आदेश / आज्ञा
धोखा और चोरी के जुर्म मे गीता
को न्यायाधीश ने कारावास का हुक्म दिया

लाचार होकर - मजबूर होकर
वह लाचार होकर दर दर भटकने
लगा लेकिन उसे दवा न मिली।

तरीका - ढंग
समय पर विद्यालय पहुँचना ही
सही तरीका है।

खुराक - भोजन की मात्रा
बीमारी की वजह से उसकी खुराक
कम होगई थी।

कहानी से

(क) राजा किसी को भी दान क्यों नहीं देना चाहता था?
राजा बहुत कंजूस था। उसका मानना था कि यदि वह दान देगा तो उसका राजकोष खाली होजाएगा। अतः वह दान नहीं देना चाहता था।

(ख) राजदरबार के लोग मन ही मन राजा को बुरा कहते थे लेकिन वे राजा का विरोध क्यों नहीं कर पाते थे।
राजदरबार के लोग मन ही मन राजा को बुरा मानते थे। परंतु वह जानते थे कि यदि वह राजा का विरोध करते हैं तो वह उन्हे दण्ड देगा।
दण्ड से बचने के लिये वे राजा का विरोध नहीं करते थे।

(ग) राजसभा में सज्जन और विद्वान लोग क्यों नहीं जाते थे?
राजसभा मे सज्जन और विद्वान लोगों का आदर सत्कार नहीं होता था। इस लिये वह राजसभा में नहीं जाते थे।

(घ) संयासी ने सीधे सीधे शब्दों में भिक्षा

क्यों नहीं माँग ली?
संयासी बहुत चतुर था। वह जानता था यदि वह सीधे सीधे शब्दों में भिक्षा माँगता, तो राजा इतनी बड़ी रकम कभी नहीं देता। उसने इसलिए ऐसे तरीके से भिक्षा माँगी कि राजा सच्चे बन गया और उसने बड़ी रकम को मामूली समझ कर भिक्षा देना स्वीकार कर लिया।

(ङ) राजा को संयासी के आगे गिडगिडाने की जरूरत क्यो पडी?
राजा ने संयासी को भिक्षा देने का वचन दे दिया था। लेकिन गंडासी के अनुसार भिक्षा के रूप में राजकोष से दस-लाख रुपये की रकम निकल जाने वाली थी। इससे राजा दिवालिया होने वाला था। राजा को अपना राजकोष बचाने के लिये संयासी के आगे गिडगिडाना पडा।

अंदाज़ अपना अपना

(क) दान के वक्त उनकी बुद्धि बन्द हो जाती थी।
दान की बात सुनते ही वह कंजूस

बन जाते थे।

(ख) हिसाब देखकर मंत्री का चेहरा फीका पड़ गया।
हिसाब देखकर मंत्री बेहोश होगया।

(ग) संयासी की बात सुनकर सभी की जान में जान आई।
संयासी की बात सुनकर सबने राहत की साँस ली।

(घ) लाखो रुपये राजकोष में मौजूद हैं।
जैसे धन का सागर हो।
राजकोष मे इतना धन है जितना समुद्र में पानी है।

साथी हाथ बढाना

सोचकर बताओ तुम अकाल में परेशान लोगो की मदद कैसे करोगे?
हम अपनी कक्षा के सभी विद्यार्थी मिलकर एक मेले का आयोजन करेंगे इस मेले से जो धन प्राप्त होगा उससे हम दवा आदि खरीद कर अकाल ग्रस्त लोगो को (भिजवायेंगे) देंगे।

जिम्मेदारी अपनी-अपनी

तुम्हारे विचार से राजदरबार में किसकी क्या क्या ज़िम्मेदारियाँ होगी।

(क) मंत्री - मंत्री की ज़िम्मेदारी राजा को उचित सलाह देना होगी।
इस बात को सुनिश्चित करना होगा कि हिसाब किताब ठीक है।
प्रजा की आर्थिक स्थिति कैसी है।
दूसरे कर्मचारियों की नियुक्ति करना भी उसकी जिम्मेदारी होगी।

(ख) भंडारी - भंडारी की जिम्मेदारी राजकोष की देखभाल करना होगी।
राजकोष का हिसाब-किताब रखना होगा।
इस बात को सुनिश्चित करना होगा कि राजकोष सदैव भरा रहे।

कर्ण जैसी दानी

(क) कर्ण कौन थे?
कर्ण कुंती व सूर्य का पुत्र था। बचपन में ही वह माता कुंती द्वारा त्याग दिया गया था, और एक सूत दम्पति

ने उनका लालन पालन किया था। सूर्य ने जन्म से ही उन्हे अभेद कवच और कुण्डल प्रदान किये थे। एक बार देवराज इन्द्र ने उससे वह दान मे माँग लिये और उन्होंने दे दिये। इसलिये उन्हे सबसे बडा दानी कहते है।

(ख) कर्ण जैसे दानी का क्या मतलब है।
कर्ण जैसे दानी का मतलब है, अपना सब कुछ दान कर देना।

(ग) दान क्या होता है?
बिना किसी अपेक्षा के दिया गया धन जिससे सिर्फ लोकहित होता है। दान कहलाता है।

(घ) किन-किन कारणों से लोग दान करते है
लोकहित करने के लिये लोग दान करते है।
पुण्य कमाने के लिये कि उनका लोक परलोक सुधर जाये
मान्यता: ऐसी मान्यता है कि पूजा पाठ करने के बाद दान करने से फल प्राप्त होता है।

कहानी और तुम

क राजा राजकोष के धन का उपयोग किन किन कामों में करता था?

राजा राजकोष के धन का उपयोग अपने वस्त्रों, मनोरंजन और महल की सजावट पर करता था।

तुम्हारे घर में जो पैसा आता है वह कहाँ कहाँ खर्च होता है? पता करके लिखो?

मेरे घर में जो पैसा आता है वह निम्नलिखित कारणों में खर्च होता है-

1 खाने-पीने में
2 मेरी पढ़ाई पे
3 बिजली बिल देने में
3 पानी का बिल देने में
4 मोबाईल का बिल देने में
4 मेरी और दादी की दवाइयों में
6 टैक्स देने में आदि

अकाल के समय लोग राजा से क्या-क्या काम करवाना चाहते थे

लोग राजा से अकाल पीड़ितों की मदद करवाना चाहते थे। वह चाहते थे, कि राजा जरूरतमंदों

कम से-कम दस हजार रुपये दे दे जिससे कि वह इस मुश्किल समय में अपना जीवन यापन कर सके।

तुम अपने स्कूल या इलाके में क्या-क्या काम करवाना चाहते हो?

मैं अपने स्कूल में गोल्फ कोर्स और स्विमिंग पूल बनवाना चाहता हूँ।
मैं अपने इलाके में नालियाँ और दूध की डेरी बनवाना चाहता हूँ।

कैसा राजा!

(क) राजा किसी को दान देना पसंद नहीं करता था।
तुम्हारे विचार से राजा सही था या गलत? अपने उत्तर का कारण भी बताओ।
हमारे विचार से राजा गलत था, क्योंकि मुसीबत के समय वह किसी की मदद नहीं करता था।
वह राजकोष का उपयोग अपनी निजी जरूरतों के लिये करता था। अकाल के वक्त भी उसने अपने कर्त्तव्य का पालन नहीं किया।

अकाल के समय लोग राजा से

(ख) राजा दान देने के अलावा और किन-किन तरीकों से लोगो को सहायता कर सकता था?
1 राजा अनाज बँटवा सकता था
2 नहर एवं कुएँ खुदवा कर लोगो को काम दे सकता था

पूर्व और पूर्व

पूर्वी सीमा के लोग भूखे प्यासे मरने लगे।

(क) पूर्व शब्द के दो अर्थ हैं
पूर्व - एक दिशा।
पूर्व - पहले।
जल - पानी - समुद्र का जल पीने योग्य नहीं है।
जल - जलना - गर्म गुलाबजामुन से उसके होठ जलगये।

मन - सीता के मन में चोर है इसलिये वह चली गई।
मन - वजन - चालीस सेर का एक मन होता है।

मगर - लेकिन - मैं जाना चाहता हूँ मगर हिम्मत नही कर पा रहा हूँ।

मगर - मगरमच्छ - इस नदी मे मगर है वापस आजाओ।

नीचे चार दिशाओं के नाम लिखे हैं। तुम्हारे घर और स्कूल के आसपास इन दिशाओ मे क्या क्या है?

दिशा	घर के पास	स्कूल के पास
पूर्व	दुकान	पेट्रोल पम्प
पश्चिम	मकान	खेल का मैदान
उत्तर	मकान	मंदिर
दक्षिण	मकान	दीवार, पेड

व्याकरण

विलोम शब्द
गरीब × अमीर
दुख × सुख
सज्जन × दुर्जन
आशा × निराशा
अपमान × सम्मान

किसने किससे कहा
"महाराज राजभंडार से हमारी सहायता करने की कृपा करे।
प्रजा ने राजा से कहा।

पाठ = ८

कौन

नवीन शब्द

चट कर गया - खा गया
रोहन सोहन का लंच बॉक्स चट कर गया

दुबक कर - छिप कर, कायर दुबक कर बैठते है।

तसवीर - चित्र, मोहन ने जो तसवीर बनाई है वह मानो अभी बोल उठेगी।

खलीता - थैली, हमें प्लास्टिक का खलीता इस्तेमाल नही करना चाहिये।

पोथी - पुस्तक, इस पोथी मे सबके नाम लिखे है।

रद्दी - बेकार चीज़ें, कई कलाकार कागज की रद्दी से सुन्दर चीजे बनाते है।

शरारत - शैतानी, अध्यापिका के कक्षा मे प्रवेश करते ही सबने शरारते बन्द कर दी।

छन्ना - छानने की चीज, इस अनाज को पहले छन्ने से साफ करो, फिर पकाना।

धाता - दौडता - भागता वह धाता हुआ अपने भाई के पास चला गया और सारी बात बताई।

कुतरना - पैने दाँतो से बार बार काटना, चूहे ने सारे कपडे कुतर दिये।

कविता से

(क) कविता पढ़कर बताओ कि यह शरारती जीव घर मे कहाँ कहाँ गया?
यह शरारती जीव घर की अलमारी मे, स्टोर मे, रसोई घर मे, चप्पल - जूता रखने के स्थान पर अर्थात घर के कोने - कोने मे गया।

(ख) किस तरह की चीजों का सबसे ज्यादा नुकसान हुआ?
अनाज, कपडों, जूते-चप्पलो तथा किताबो का सबसे ज्यादा नुकसान हुआ

(ग) कविता मे बहुत से नुकसान गिनाए गये है। तुम्हारे हिसाब से इनमें से कौन सा नुकसान सबसे बडा है? क्या?
किताबो का नुकसान सबसे बडा नुकसान है, क्योंकि किताबो से बहुमूल्य ज्ञान मिलता है। जिससे मनुष्य जीवन का लक्ष्य प्राप्त कर सकता है। किताब को पीढियो तक उपयोग में लाया जा सकता है

(घ) इस कविता मे किसकी शैतानियों की बात कही गई है? तुमने कैसे अनुमान लगाया?
इस कविता मे चूहे की शैतानियो की बात कही गई है। यह वही जीव है, जो कागज, कपडे आदि कुतरता है। खुर-खुर करके इधर-उधर भागता है; कोने मे छिपता है।

कभी कुतर जाता है चप्पल
शरारती जीव ने बहुत सारी चीजो को कुतरा, बिखराया और काटा। अब तुम बताओ कि किन-किन चीजों को कुतरा जा सकता है बिखराया काटा

कुतरा	बिखराया	काटा
कपड़ा	चावल	सब्जी
पत्ते	दालों	कागज़
गाजर	आटा	पेड़

कबाड का हिसाब

(क) कबाड़ी क्या-क्या सामान खरीदते हैं?
कबाडी पुराने अखबार, प्लास्टिक का समान, लोहा आदि चीज़े खरीद सकते है।

(ख) तुम्हारे घर से सामान ले जाकर कबाडी उसका क्या करते है?
वह उसे फैक्ट्रियो मे ले जाकर बेच देते है। जहाँ उन्हे गला कर नया समान बनाया जाता है।

(ग) पता करो कि पुराना अखबार या रद्दी किस भाव से बिकते है?
अखबार - 7 रुपये किलो
लोहा - 6 रुपये किलो

RANKA DATE / / PAGE ५५

(घ) अगर कबाड़ी तुम्हारे घर का कबाड़ न खरीदे तो क्या होगा?
हमारा घर कुचरेदान बन जायेगा और बीमारियाँ फैलने का डर बढ़ जायेगा।

घुसपैठ

तुम्हारे घर में भी यदि यह शरारती जीव है या उसकी फौज घुस गई है तो पता करो कि उससे कैसे निपटा जाता है।
हम उसे चूहेदानी से पकड़ सकते हैं और दूर छोड़ कर आ सकते हैं।

इस शरारती जीव के अलावा और कौन कौन से जीव तुम्हारे घर में घुस जाते हैं।
बिल्ली, गिलहरी, चींटी, मच्छर मक्खी, छिपकली, मकड़ी, कॉकरोच बन्दर, कुत्ता, गाय।

बूझो

नीचे लिखी कविता की पंक्तियाँ पढ़ो। जिन शब्दों के नीचे रेखा खिंची है उनका अर्थ आपस में चर्चा करके बताओ।

(क) कभी खलीता पर बन आती।
खलीता – थैली (कपड़े का थैला)

(ख) कौन उठा ले जाता छन्ने
छन्ने – छानने का कपड़ा (मलमल)

(ग) खुर-खुर इधर-उधर है धाता
धाता – दौड़ता

RANKA DATE / / PAGE ५६

व्याकरण

सही क्रम से लिखो।

स्वीरत – तस्वीर
रातरश – शरारत
तारक – कतार
रीतख – तारीख

प्रश्नवाचक शब्द से वाक्य बनाओ?

कौन – कौन है आप?
किसको – किसको हलवा मिला?
कैसे – कैसे हैं आप?
किसे – किसे मेरा खलीता चाहिये?
कौन – कौन है वहाँ?
कब – कब जाता है?
कितने – कितने दिन पहले?

पाठ ६

स्वतंत्रता की ओर

नवीन शब्द

अक्लमंद - होशियार, रमेश अक्लमंद है, वह बुराई की तरफ नही जायेगा।

बुद्धू - मूर्ख मूर्ख नेता देश का विनाश करते है।

उतावला होना - धैर्य खो देना, उतावला होकर कोई फैसला मत लो।

खिलाफ विरोध हमें सत्य और अहिंसा के खिलाफ नही जाना चाहिये।

सत्याग्रह - सत्य के लिये विनती करना, महात्मा गाँधी जी ने सत्य के लिये आग्रह किया और विजयी भी हुए।

मनाही - रोकना, अवरोध करना - संसद भवन मे साधारन लोगो

के जाने की मनाही है।

ठुकरा देना - अवज्ञा करना, इनकार करना, रामलाल ने यह प्रस्ताव ठुकरा दिया और सत्य की राह पर ही चला।

हिम्मत - साहस, शेर से लड़ना हिम्मत का काम है।

ताकत - शक्ति, बल, बैल के शरीर मे बहुत ताकत होती है।

स्वतंत्रता - आजादी भारत 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाता है।

खादी - सूत कातकर बनाया कपड़ा, खादी एक विशेष वस्त्र ही नही अपितु राष्ट्र की गरिमा है।

अन्याय - अत्याचार, सरकार का अन्याय बहुत बढ़ गया है।

निश्चय - इरादा, जन साधारण यदि निश्चय करे तो अन्याय का

अन्त हो सकता है।

चरखा - लकड़ी से बना सूत कातने का यन्त्र। पहले लोग घर पर ही चरखे से कातकर कपड़ा बना लिया करते थे।

प्यारे बापू

इस कहानी को पढ़कर बापू के बारे में कई बातें पता चली होगी उनमे से कोई तीन बातें यहाँ लिखो।

1) गाँधीजी सुबह आश्रम मे टहलते थे और उसके बाद चरखा कातते थे।
2) वह ब्रिटिश राज की खिलाफत करते थे।
3) वे छोटे बच्चों की बात भी ध्यान से सुनते थे और उन्हे सरल तरीके से अपनी बात समझाते थे।

चूल्हा
इनमे कौन सा ईंधन इस्तमाल किया जाता है?

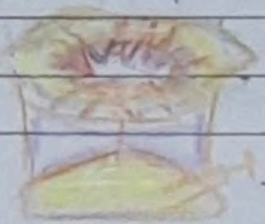

मिट्टी का तेल

→ स्टोव

चूल्हा

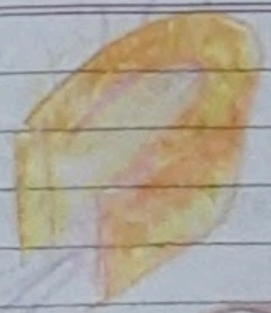

ईंधन - लकड़ी, गोबर

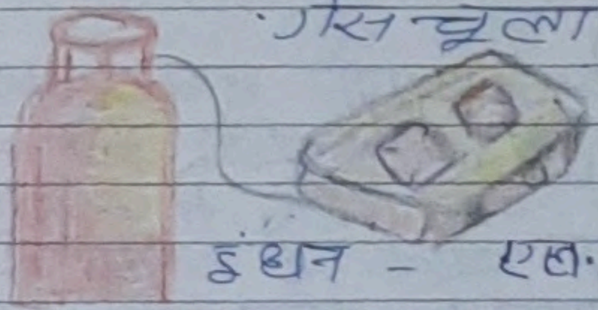

गैस चूल्हा

ईंधन - एल.पी.जी गैस

अंगीठी
ईंधन - कोयला

तुम्हारे घर में खाना पकाने के लिए इनमें से किसका इस्तेमाल किया जाता है?
गैस चूल्हे का।

कहानी से आगे
नीचे कहानी मे आये कुछ शब्द लिखे है। कक्षा मे चार-चार के समूह में एक-एक चीज के बारेमे

पता करो –

स्वतंत्रता : स्वतंत्रता का अर्थ है आजादी, अपने लिये नियम खुद बनाना और किसी का हस्तक्षेप न होने देना।

खादी : खादी एक तरह का कपड़ा है जो सूत को एक लकड़ी के यंत्र में कातकर बनाया जाता है। यह रेशम के विपरीत बहुत मोटा होता है।

सत्याग्रह : किसी व्यक्ति से इस तरह लड़ो, विनती करना कि वह सत्य को स्वीकार करे। यह एक तरह का हठ है जो तब तक किया जाता है, जब तक सत्य को स्वीकार न किया जाये।

चरखा : एक लकड़ी से बना उपकरण जिससे कपास को धागे में बदला जा सकता है इसे हाथ से चलाया जाता है यह स्वतंत्रता संग्राम का प्रतीक बन गया।

आगे की कहानी

गाँधी जी ने धनी से कहा "क्या तुम आश्रम में ही रहकर मेरे लिये बिन्नी की देखभाल करोगे?"..... धनी ने गांधी जी की बात मान ली जब गांधी जी दांडी यात्रा से लौटे होंगे, तब आश्रम में क्या-क्या हुआ होगा? आगे की कहानी सोच कर लिखो?

जब गांधी जी दांडी यात्रा से लौटे होंगे तब सब लोग खुश हुए होंगे और उनका स्वागत खूब गर्मजोशी से किया होगा।

उनसे दांडी यात्रा के बारे में पूँछा होगा और भी बातें की होंगी।

गांधी जी ने भी आश्रम की व्यवस्था की जानकारी ली होगी।

कहानी से

(क) धनी ने गांधी जी से सुबह के समय बात करना क्यों ठीक समझा होगा?

गांधी जी हमेशा लोगों से घिरे रहते थे और व्यस्त रहते थे, लेकिन

सुबह के वक्त वह आश्रम मे पैदल घूमते थे। इस समय उनसे मिलना आसान था और वह व्यस्त भी नही होते थे। इसलिये धनी ने गांधी जी से सुबह बात करना ठीक समझा होगा।

(ख) धनी बिन्नी के देखभाल कैसे करता था।
धनी बिन्नी को हरी घास खिलाता था। उसे बर्तन मे डालकर पानी पिलाता था। उसे आश्रम मे चारो ओर घुमाता था।

(ग) गांधी जी ने धनी को न जाने के लिये कैसे मनाया।
गांधी जी ने धनी को बिन्नी की देखभाल के लिये राज़ी कर के मनाया।

कहानी और तुम

क धनी यात्रा पर जाने के लिये उत्सुक क्यो था?
अगर तुम धनी की जगह होते तो

क्या तुम यात्रा पर जाने की जिद्द करते? क्यों?
धनी यात्रा पर जाने के लिये इसलिये उत्सुक था क्योंकि वह देश की स्वतंत्रता की लडाई मे भाग लेना चाहता था।
जी हाँ, यदि मै धनी की जगह होता तो मै भी यात्रा पर जाने की जिद्द करता क्योंकि धनी की तरह ही मै भी देश को आजाद देखना चाहता और यह जानते हुए भी कि यह खतरे का काम है और अंग्रेज सरकार गोली तक चलवा देते है मैं जाने की जिद्द जरूर करता।

(ख) गांधी जी ने धनी को न जाने के लिये कैसे मनाया?
गांधीजी ने बिन्नी की देखभाल का वास्ता देकर धनी को मनाया।

क्या तुम गांधी जी के तर्क से सहमत हो?
जी हाँ, हम गांधी जी के तर्क से सहमत है। क्योंकि इतनी लम्बी यात्रा बच्चे नही कर सकते थे।

दूसरा कारण यह था कि बिन्नी केवल धनी के हाथ से ही खाना खाती था, उसकी देखभाल के लिये धनी का रुकना जरूरी था।

(पृष्ठ 75 का शेष)

(ग) धनी को यह कैसे महसूस हुआ होगा कि आश्रम में कोई योजना बनाई जा रही है

धनी ने गाँधीजी के कमरे में लोगों को गंभीर मुद्रा में बातें और सलाह-मशविरा करते हुए देखकर भाँप लिया होगा कि आश्रम में कोई योजना बनाई जा रही।

ताकत के लिये

बताओ, खूब सारी ताकत के लिये तुम क्या क्या खाओगे-पिओगे?

चटपटी अंकुरित दालें
मीठा दूध
रसीला आम
गर्मागर्म साग
कुरकुरी मक्का की रोटी
खुशबूदार दाल

विशेषता के शब्द

नीचे लिखी चीजों की विशेषता बताने वाले शब्द सोचकर लिखो -

मीठा हलवा	बड़ा पत्थर
लम्बा पेड़	लम्बा कुरता
साफ नमक	काला चश्मा
छोटी चीटी	लाल झंडा

चाँद की बिंदी

नीचे लिखे शब्दों में सही जगह पर ं या ँ लगाओ।

धुआ — धुआँ
कुआ — कुआँ
फूक — फूँक
कहा — कहाँ
स्वतत्र — स्वतंत्र
बाध — बाँध
मा — माँ
गाव — गाँव
बदगोभी — बंदगोभी
इतजार — इंतजार
पसद — पसंद

किसकी जिम्मेदारी

धनी को बिन्नी की देखभाल करने की

ज़िम्मेदारी दी गई थी। इनको क्या क्या ज़िम्मेदारियाँ थीं?

माँ - आश्रम में खाना बनाना
पिता - सूत कातकर धागा बनाना
बिंदा - सब्ज़ियाँ उगाने की।
छवी - बिल्ली की देखभाल करने की

निबंध : महात्मा गाँधी

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी का पूरा नाम 'मोहनदास करमचंद गाँधी' था। हम उन्हें प्यार से बापू पुकारते हैं। इनका जन्म २ अक्टूबर १८६९ को गुजरात के पोरबंदर में हुआ था। सभी स्कूलों और शासकीय संस्थानों में २ अक्टूबर को इनकी जयंती मनाई जाती है। उन्हीं की प्रेरणा से हमारा देश 15 अगस्त १९४७ को आज़ाद हुआ।

गाँधी जी के पिता का नाम करमचंद गाँधी था। वह राजकोट के दीवान थे। इनकी माता का नाम पुतलीबाई था। वह धार्मिक विचारों की महिला थी।

गाँधी जी सत्य और अहिंसा

के पुजारी थे। उन्होंने हमेशा सत्य और अहिंसा के लिये आंदोलन चलाये। गाँधी जी वकालत की शिक्षा के लिये इंग्लैण्ड गये थे। वहाँ से लौटने के बाद उन्होंने बम्बई में वकालत शुरू की। महात्मा गाँधी सत्य और अहिंसा के पुजारी थे। वह सत्य बोलना ही धर्म मानते थे।

वह एक बार मुकदमे की पैरवी के लिये दक्षिण अफ्रीका भी गये थे। वहाँ अंग्रेजों का भारतीयों पर अत्याचार देखकर बहुत दुखी हुए और अंग्रेजों को खदेड़ने का निश्चय कर लिया।

एक लम्बे अंतराल के बाद अंत में वह विजयी हुए।

गाँधी जी की ३० जनवरी को प्रार्थना सभा में नाथूराम गोडसे ने गोली मारकर हत्या कर दी। महात्मा गाँधी की समाधि को राजघाट कहते हैं। जो दिल्ली में है।

वह देशी और विदेशी दोनों के लिये पूजनीय थे।

गांधी जी के तीन बंदरों का क्या संदेश है।

पहला बन्दर - बुरा मत देखो।
दूसरा बन्दर - बुरा मत सुनो।
तीसरा बन्दर - बुरा मत कहो।

विलोम शब्द

जीवित × मृत, कोमल × कठोर
दुबला × मोटा, सही × गलत
सुगन्धित × दुर्गन्धित, सत्य × असत्य

पर्यायवाची शब्द

साथी - दोस्त, मित्र
बादल - जलद, मेघ
नदी - सरिता, तटनी

जोड़कर लिखो

रसोई + घर = रसोईघर
पुस्तक + आलय = पुस्तकालय
गो + शाला = गोशाला
आम + वाला = आमवाला
फल + वाला = फलवाला
सत्य + आग्रह = सत्याग्रह
भारत + वासी = भारतवासी
सत्य + वादी = सत्यवादी

किसने कहा किससे कहा

"अम्मा क्या गांधी जी कहीं जा रहे हैं?"
धनी ने, अम्मा से कहा।

"तुम्हारे सभी सवालों का जवाब दूँगा पर पहले इस बकरी को बाँधो।
बिंदा ने, धनी से कहा।

"बेकार की बात मत करो धनी। आश्रम के नौजवान ही जा रहे हैं।"
पिता ने, धनी से कहा।

"ठीक है। मैं उन्ही से बात करूँगा।"
धनी ने, पिता से कहा।

बिन्नी और मैं आपका इंतजार करेंगे
धनी ने, गांधी जी से कहा।

रिक्त स्थान भरो।

गाँधी जी की तरह वे भी भारत की स्वतंत्रता के लिये लड़ रहे थे।
आश्रम मे सबको कोई न कोई काम करना होता था।
धनी सब्जियों की क्यारियों की तरफ निकल गया।
वे गौशाला मे गायों को देख रहे थे।

Page 88

पाठ - 10

RANKA DATE / / PAGE 110

थप्प रोटी थप्प दाल

नवीन शब्द

उत्साह = जोश
अभिनय = अनुकरण
तरकारी = कच्ची सब्ज़ी
डलिया = फूलों की टोकरी (छोटी)
माल = अच्छी चीज
छीका = लटकती हुई टोकरी
आश्चर्य = अचम्भा, हैरानी
रंगमंच = मंच नाटक के लिये।
घबराई = डरी हुई
पंक्ति = कतार
स्वाद = जायका

जोड़ और शीर्षक

नाटक का नाम 'थप्प रोटी थप्प दाल' क्यों है?
तुम इसे क्या शीर्षक देना चाहोगे?
नाटक का नाम 'थप्प रोटी थप्प दाल' इसलिये है, क्योंकि इस नाटक में चार बच्चे मिलकर रोटी और दाल पकाने का खेल खेलते है।
अन्य शीर्षक हो सकता है।

RANKA DATE / / PAGE 111

1) 'बिल्ली खा गई रोटी-भात'।
2) 'बिल्ली खाये मक्खन'।
3) 'किसने दाल रोटी चुराई?'
4) 'खेल खेल में'।
5) 'बिल्ली का कमाल और धमाल'।
6) 'आलस्य का फल'
7) आलस्य का फल कड़वा होता है।

आवाज वाले शब्द

थप्प रोटी थप्प दाल
"थप्प शब्द से लगता है किसी तरह की आवाज़ है। आवाज़ का मज़ा देने वाले और भी बहुत से शब्द है, जैसे - टप, खट।
ऐसे ही कुछ शब्द तुम भी लिखो।
खट-खट, पूँ-पूँ, टक-टक
सी-सी, फूँ-फूँ, कुक-कुक
कूँ-कूँ, भाऊ-भाऊँ, पीं-पीं
मियाऊ-मियाऊ, छप-छप, फुर्र-फुर्र

कौन कौन से खेल

(क) नीता चुन्नू और टिंकू से ही दाल क्यों बनवाना चाहती होगी?
चुन्नू और टिंकू को आग जलाना नहीं

RANKA DATE / / PAGE 112

नही आता था। वह अच्छी तरह दाल पकाना भी नही जानता था। नीना चाहती होगी, जब वह दोनो आग जलाने और दाल बनाने में परेशान होंगे तब वह सब इनु दोनो पर हंसेगे और मजा लेंगे।

(ख) बच्चो ने खाने पीने की चीजें छीके मे क्यों रखी।
बच्चो ने खाने पीने की चीजे छीके मे सुरक्षित रखने के लिये रखी होगी, कि कोई उन्हें चुरा न सके।

(ग) चुन्नू ने दाल को पहले खट्टा फिर मीठा क्यों बताया?
चुन्नू ने मुन्नी आदि लडकियों को चिढाने के लिये दाल को पहले खट्टा और फिर मीठा बताया। परन्तु जब मुन्नी गुस्से से उनकी ओर देखा, तब डर कर उन्होंने मीठा कहा।

तुम्हारी बात
तुम्हारी घर में खाना कौन बनाता है। तुम खाना बनाने में क्या क्या

Page-89.

RANKA DATE / / PAGE 113

मदद करते हो? नीचे दी गई तालिका मे लिखो?

खाना कौन बनाता है		मैं क्या मदद कर सकता हूँ	मैं क्या मदद करता
माता जी	1	सब्जी धो सकता हूँ।	सलाद काटता हूँ।
	2	प्लेट सजा सकता हूँ	प्लेट सजाता हूँ।
	3	बाजार से समान ला सकता हूँ।	बाजार से समान ला सकता हूँ।

तुम क्या बनाती
इन बच्चों की जगह तुम होती तो खाने के लिये कौन से तीन पकवान बनाती? उन्हें बनाने के लिये किन चीजों की जरूरत पडती? पता करो और सूची बनाओ।

	पकवान का नाम	किन चीजों की जरूरत
1	चाय	पानी, दूध, पत्ती, चीनी
2	हलवा	सूजी, घी, पानी, चीनी
3	चिप्स	आलू, तेल, नमक
4	रोटी	आटा, पानी.
5	सब्जी	आलू, टमाटर, तेल, पानी मसाले।

मट्ठा बनाएँ

(क) सरला ने कहा - मैं दही का मट्ठा चलूँगी।
दही का मट्ठा चलाने का मतलब है।
- दही बिलोना
- दही से लस्सी या छाछ बनाना
इस का मतलब है - दही बिलोना
इस काम के लिये मटका, मथनी व दही की जरूरत होती है।

(ख) बिलोना, घोलना, फेंटना
इन तीनों कामों में क्या फर्क है?
बातचीत करो और पता करो।
बिलोना : वह तकनीक है जिससे मक्खन निकाला जा सकता है एक मटानी को रस्सी की सहायता से सीधी और उल्टी दिशा में बार बार चलाया जाता है इसे बिलोना कहते हैं

घोलना : किसी चीज को पानी की सहायता से तरल में बदल देना, उदाहरण के लिये बेसन को पानी में घोलना।

फेंटना : बार बार किसी तरल को पीटना कि उसमें झाग बन जाये और हवा घुल जाये उदाहरण के लिये केक बनाने के लिये बैटर बनाना

(ग) किन्हीं दो-दो चीजों के नाम बताओ जिन्हें बिलोते, घोलते और फेंटते हैं।

बिलोते हैं	दही	दाल
घोलते हैं	दूध में चीनी	पानी में नमक
फेंटते हैं	अण्डा (आमलेट)	बैटर (केक)

(घ) सरला ने रई से मट्ठा बिलोया।
रई को मथनी भी कहते हैं।
रसोई के दूसरे बर्तनों को तुम्हारे घर की भाषा में क्या कहते हैं?
कक्षा में इस पर बातचीत करो और एक सूची बनाओ।

थाली	थाल
कटोरी	कटोरी
चम्मच	चम्मच
तवा	तवा
बर्तन	भांडे

आओ तुकबंदी करें
नाटक में बच्चों ने अपनी बात को कई बार कविता की तरह कहा है। जैसे
अब तुम भी नीचे लिखी पंक्तियो में कुछ जोड़ो —
घंटी बोली टन-टन-टन
बारिश बोली छन-छन-छन

कहाँ चले भाई कहाँ चले
दौड़ दौड़ कर क्यो चले

रेल चली भई रेल चली
सर पट सर पट धक धक धक

कल की छुट्टी परसों इतवार
चले घूमने मिल कर यार

रोटी दाल पकाएँगे
फिर दूध जलेबी खाएंगी

अतिरिक्त प्रश्न
सही या गलत (पाठ से)
1 चुन्नू और टिंकू को बाजार से साग सब्जी लाने का काम

सौंपा - सही
2 दही का मट्ठा चलाने का काम मुन्नी को सौंपा - गलत
3 नीना बिल्ली बनी थी - सही
4 तरला और टिंकू ने रोटियाँ बनाई - गलत
5 सबक सिखाने के लिये बिल्ली ने रोटी खाई। सही

ई लगाकर शब्द लिखो
पिट + ई = पिटाई
बना + ई = बनाई
चिल्ला + ई = चिल्लाई
लड़ा + ई = लड़ाई
सुना + ई = सुनाई
दिख + ई = दिखाई

प्रत्येक दविव्व व्यंजन के दो-दो शब्द बनाकर लिखिए
न + न = न्न, मुन्नी, नन्हा, बिन्नी

म + म = म्म, अम्मा, जम्मू, मम्मा

च + च = च्च, बच्चा, सच्चा, कच्चा

ल + ल = ल्ल, बिल्ली, खिल्ली, दिल्ली

पाठ - 11

पढक्कू की सूझ

नवीन शब्द

पढक्कू : बहुत पढ़ने वाला
पढक्कू होना अच्छी बात है पर कभी - कभी खेलना भी चाहिये।

तर्कशास्त्र : एक ग्रंथ (पुस्तक)
राकेश बुद्धिमान है मानो सारा तर्कशास्त्र पढ लिया हो उसने।

गढना : मन से बनाना
मोनिका ने ऐसी कहानी गढी कि अध्यापक ने उसे माफ कर दिया।

फिक्र : चिंता, सोच
आजकल के नेताओं को देश की कोई फिक्र नहीं है।

भेद : राज, रहस्य, छिपी बात
जब अध्यापक ने प्रश्न पूछा तो पढक्कू का भेद खुल गया।

गज़ब : विचित्र
इस जंगल में गज़ब के जानवर है।

ढब : ढंग, तरीका
रवि सुलझा हुआ व्यक्ति है, परन्तु उसका ढब विचित्र है।

पागुर : जुगाली
रीना दिन भर भैंस की तरह पागुर करती रहती है।

कोरे : मूर्ख, बेवकूफ
रोहित को साथ नहीं ले जायेगे वह तो कोरा है।

साँझ : संध्या, शाम
साँझ होते ही पक्षी अपने घोसले मे आ जाते है।

मंतिख : शस्त्र, विशेष पुस्तक
बबलू हमेशा प्रथम आता है, मानो मंतिख पढता है।

धरता : पकड़ता
इससे पहले कि मैं चोर को धरता वह कूद कर भाग गया।

अड़ जाना : जिद करना, रमेश घर जाने के लिये अड़ गया और चला गया।

RANKA DATE / / PAGE 120

कविता में कहानी

'पढ़क्कू की सूझ' कविता में एक कहानी कही गई है। इस कहानी को तुम अपने शब्दों में लिखो।

एक व्यक्ति तर्कशास्त्र मे निपुन था। जहा कोई बात नही होती वहाँ भी कोई बात निकाल देता।

वह एक दिन सोचने लगा आखिर कोल्हू का बैल बिना हाँके कैसे चलता है। जब उसे समझ में नहीं आया तो वह मालिक से ही पूँछ बैठा।

मालिक ने बताया जब तक उसे गलघण्टी की आवाज सुनाई देती है आराम से बैठा रहता है, जब आवाज नहीं आती तब वह हाँकने आजाता है और बैल फिर से चल पड़ता है।

तब पढ़ाकू ने कहा यदि बैल खड़ा हो जाये और सिर्फ गर्दन हिलाये तब क्या होगा। तुम तो यही समझोगे कि बैल चल रहा है। इस पर मालिक बोला- कि बैल ने तुम्हारी तरह मंतिख नहीं पढ़ा है।

RANKA DATE / / PAGE 121

कवि की कवितायें

(क) दोनों में से कौन-सी कविता पढ़कर तुम्हें ज्यादा मजा आया।

मुझे पढ़क्कू की सूझ कविता अधिक पसंद आई। यह खूब हंसने वाली है।

(ख) तुम्हें काबुली वाला ज्यादा अच्छा लगा या पढ़क्कू या कोई भी अच्छा नहीं लगा।

मुझे पढ़क्कू का पात्र अधिक अच्छा लगा। पढ़ा लिखा होने के बावजूद वह मूर्खो सी बात करता था। कविता मे वह बहुत हंसाता है।

मेहनत के मुहावरे

मेहनत से लिखे कुछ मुहावरे नीचे लिखे है। इनका वाक्यो मे इस्तेमाल करो।

दिन रात एक करना - बहुत परिश्रम करना।

सोहन डाक्टर बनना चाहता है इसके लिये उसने दिन रात एक कर दिया।

पसीना बहाना - श्रम करना

बिना पसीना बहाए, सफलता नहीं मिलती।

RANKA DATE / / PAGE 122

ऐड़ी-चोटी का जोर लगाना -
खूब ताक़त लगाना
डाकुओं ने ऐड़ी चोटी का जोर लगाया पर तिज़ोरी न तोड़ पाये।

पढ़क्कू

(क) पढ़क्कू का नाम पढ़क्कू क्यों पड़ा होगा ?
पढ़क्कू का नाम पढ़क्कू इसलिये पड़ा होगा, क्योंकि वह दिन रात तक शास्त्र पढ़ते थे।

(ख) तुम कौन सा काम खूब मन से करना चाहते हो ? उसके आधार पर अपने लिए भी पढ़क्कू जैसा कोई शब्द सोचो।
मैं खूब घूमना फिरना चाहता हूँ मुझे खुद के लिये 'घुमक्कड़' नाम देना चाहूँगा।

अपना तकीका

(क) मगर बूँद भर तेल साँझ तक भी क्या तुम पाओगे ?
क्या शाम तक भी आपके एक बूँद तेल प्राप्त होगा

(ख) बैल हमारा, नहीं अभी तक गणित पढ़ पाया है
हमारा बैल अभी तक सरल है वह छल कला नहीं जानता।

(ग) सिखा बैल को रखा इसने निश्चय कोई ढब है।
इसने बैल को कोई युक्ति सिखाई है।

(घ) जहाँ न कोई बात, वहाँ भी नई बात गढ़ते थे।
जहाँ कोई बात ही न हो वहाँ भी अपने मन से कोई बात बनाते थे

गढ़ना

पढ़क्कू, नई नई बातें गढ़ते थे। बताओ ये लोग क्या गढ़ते हैं ?
सुनार गहने, कवि कविता
लुहार लोहे की वस्तु, कुम्हार मिट्टी के बर्तन
ठठेरा बर्तन, लेखक कहानी

अर्थ खोजो

नीचे दिए गए शब्दों के अर्थ शब्दजाल में खोजो -

RANKA
DATE / /
PAGE 125

भेद, दब, गजब, मंतिख, छल

त	के	शा	स्त्र	मे
रा	ज	त	क	बे
जू	स	री	मा	धो
श	ज़	का	ल	खा
धो	क	म	ल	ड़

अतिरिक्त प्रश्न

एक दिन पढ़क्कू ने मालिक से क्या पूछा?
एक दिन पढ़क्कू ने अपने बैल के मालिक से पूछा कि आप बिना देखे यह भेद कैसे जान लेते है कि आपका बैल खड़ा है, घूम रहा है या जुगाली कर रहा है।

मालिक ने पढ़क्कू को हंसकर क्या कहा?
मालिक ने पढ़क्कू को हंसकर कहा कि तुमने यह ज्ञान जहाँ से सीखा है वही जाकर इसे फैलाओ, अभी यहाँ पर सब ठीक है। हमारा बैल अभी तक तर्कशास्त्र नहीं पढ़ पाया है।

RANKA
DATE / /
PAGE 126

एक रोज फिक्र में कौन पढ़ गया?
एक रोज पढ़क्कू फिक्र मे पढ़ गया।

जब बैल के गले में बाँधी घंटी नहीं बजती थी तब मालिक क्या करता था?
तब वह बैल की पूँछ ऐंठता था।

इस कविता के रचनाकार कौन है?
रामधारी सिंह 'दिनकर'।

चंद्रबिंदु और अनुस्वार लगाओ।

इसमे	= इसमें	पुछ	= पूँछ
मतिख	= मंतिख	घटी	= घंटी
बूद	= बूँद	साझ	= साँझ
हसा	= हँसा	यहा	= यहाँ
सदेश	= संदेश	गाधी	- गाँधी

निम्नलित वाक्यों के काल बताओ

घंटी बज रही है -	वर्तमान काल
बच्चे सोने चले गए थे -	भूतकाल
आप कब आये थे -	भूत काल
वे अब बर्तन धो रहे है -	वर्तमान काल
मैं कल जाऊँगा -	भविष्य काल
मै कल गया था -	भूत काल

पाठ - १२

RANKA DATE / / PAGE 126

सुनीता की पहिया कुर्सी

नवीन शब्द

चीज - वस्तु सामान
लोहार लोहे को पिघलाकर चीजे बना लेता है।

मुश्किल - कठिन
कोई काम मुश्किल नही यदि ठान लिया जाये।

परवाह - ख्याल, ध्यान
सगुंधा को परवाह नहीं उसका भाई क्या कर रहा है।

सहारा - मदद, सहायता
रेलिंग का सहारा लेकर सीडियाँ चढ़ो।

फुर्ती - तेजी
फुर्ती से गृहकार्य खत्म करो फिर खेलने जायेंगे।

रोजाना - रोज, प्रतिदिन, हरदिन
रोजाना दूध पीना चाहिये।

RANKA DATE / / PAGE 127

टुकुर-टुकुर - एकटक
गरीब बच्चा आईस्क्रीम वाले को टुकुर-टुकुर देख रहा था

अजीबोगरीब - विचित्र
सीता आज अजीबोगरीब दिख रही है मानो नहा कर नहीं आई।

कहानी से

सुनीता को सब लोग गौर से क्यो देख रहे थे?
सुनीता चल फिर नहीं सकती थी और पहिया कुर्सी में बैठकर चल रही थी। इसलिये सब लोग उसे देख रहे थे।

सुनीता को दुकानदार का व्यवहार क्यों बुरा लगा?
सुनीता ने थैला पकडने के लिये हाथ बढ़ाया था परन्तु फिर भी दुकानदार ने तरस खाकर थैला उसके गोद में रख दिया।
दुकानदार का दया दिखाना सुनीता को बुरा लगा।

मजेदार

(क) तुम्हारे विचार से सुनीता को सड़क देखना अच्छा क्यों लगता होगा? सुनीता सड़क पर चले हुए लोगों को देखकर रोमांचित होती होगी इसलिये उसे सड़क देखना अच्छा लगता होगा।

(ख) अपने आसपास की सड़क को ध्यान से देखो और बताओ:-
तुम्हें क्या क्या चीजें नजर आती है। मुझे कचरे का ढेर, बिजली के खम्बे से लटकते तार। चलते फिरते लोग, मोटरगाड़ियाँ और सड़क किनारे बैठे भिखारी नज़र आते है।

लोग क्या क्या करते हुए नज़र आते हैं। आते जाते, ठेलों से सामान खरीदते, बस का इंतजार करते, बेचा उठाते, भीख माँगते और अखबार पढ़ते हुए चाय पीते।

मनाही
माँ ने फ़रीदा को क्यों रोक दिया

होगा?
माँ ने फ़रीदा को इसलिये रोक दिया कि कहीं सुनीता को बुरा न लगे।

क्या फ़रीदा को पहिया कुर्सी के बारे में नहीं पूछना चाहिये था? तुम्हें क्या लगता है।
यह स्वाभाविक बात है बच्चे जब कुछ नया देखते हैं तो जानना चाहते हैं।
फरीदा को पहिया कुर्सी के बारे में पूछना चाहिये था क्योंकि उसका उद्देश्य सुनीता को ठेस पहुचना नहीं था।

क्या तुम्हें भी कोई काम करने या कोई बात कहने से मना किया जाता है? कौन मना करता है कब मना करता है।
बिना गृहकार्य किये बाहर खेलने जाने से मना किया जाता है।
पिताजी मना करते हैं।
जब परीक्षा का समय होता है।
मुझे पार्क में जाकर खेलने से मना किया जाता है।

मैं कुछ भी कर सकती हूँ

(क) यदि सुनीता तुम्हारी पाठशाला मे आये तो उसे किन किन कामो मे परेशानी आयगी?

1) सीढ़ियाँ चढ़ने मे
2) खेल कूद मे
3) नृत्य करने मे

(ख) उसे यह परेशानी न हो इसके लिए अपनी पाठशाला में क्या तुम कुछ बदलाव सुझा सकती हो?

कुछ सुझाव इस प्रकार हैं:-

1) रेम्प बना कर (ढलु रास्ता) सीढ़ियों की जगह रेम्प बना कर ताकि ऊपर नीचे जाने में आसानी हो।
2) इन्डोर गेम्स को बढ़ावा देकर जैसे कैरम, लुडो, वीडियो गेम्स जिसे वह भी खेल सके।
3) उसे स्वतंत्रता देकर, उसे अपना काम स्वयं करना अच्छा लगता है तो ऐसा कुछ न करें कि उसे ठेस पहुँचे।

प्यारी सुनीता को चिट्ठी

16 जनवरी, 2023
गई सड़क,
आगरा।

प्रिय सुनीता,

बहुत प्यार। तुम कैसी हो? मैंने तुम्हारे बारे मे पढ़ा, मै तुम्हारी हिम्मत की सराहना करता हूँ कि विकलांग होकर भी तुम अपना सारा काम खुद करती हो और किसी पर निर्भर नहीं हो।

मेरे मन मे तुम्हारे लिये बहुत से प्रश्न उठते हैं। तुम जब बाकी बच्चों को खेलते या दौड़ते देखती हो तो तुम्हे कैसा लगता है, तुम क्या सोचती हो।

तुम्हारी तरह और भी बच्चे है जो सुन-बोल नहीं सकते, या देख नहीं सकते। उनके लिये तुम क्या कहना चाहोगी?

मेरे प्रश्नो का उत्तर शीघ्र देना। यदि मेरी कोई बात तुम्हें बुरी लगी हो तो क्षमा करना।

तुम्हारा सखा
गोपाल।

कहानी से आगे

(क) वे किस तरह की किताब पढ़ सकते हैं?
वह ब्रेल लिपि में किताबें पढ़ते थे।

उस तरह की किताबें के बारे मे सबसे पहले किसने सोचा था?
सबसे पहले लुई ब्रेल ने सोचा था।

(ख) क्या तुम किसी ऐसे बच्चे को जानते हो जो सुन-बोल नहीं सकता?
एक व्यक्ति है जो बोल-सुन नहीं सकता। हम उसे इशारों से बात समझाते है।

मेरा अविष्कार

तुम क्या अविष्कार करना चाहोगे?
मैं ऐसा अविष्कार करना चाहूंगा जिससे बच्चे भारी स्कूल बस्ते उठा सके।

तुम वह कैसे बनाओगे?
मैं बाजुओं और कंधो पर फिट होने वाला एक उपकरण बनाऊँगा।

उन्हे बनाने के लिये किन चीजों की जरुरत होगी?
स्टील की पट्टियो की,
नट और बोल्ट की,
सिपरिंग की।

वह चीज क्या-क्या काम कर सकेगी?
वह सिपरिंग की मदद से बैग को हल्का बनाऐ रखेगी।

उस चीज का चित्र बनाओ

अतिरिक्त प्रश्न

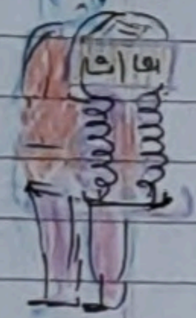

जरूरी काम के लिये प्रार्थना पत्र लिखो।

सेवा मे,
प्राचार्य जी,
केन्द्रीय विद्यालय, रोहतक,
रोहतक, हरियाणा।
महोदय जी,
सविनय निवेदन है कि मुझे घर पर कल बहुत जरूरी काम है. इसलिये विद्यालय नही आ सकता। कृपा मुझे दो दिनों का अवकाश प्रदान करें।
धन्यवाद।
आपका आज्ञाकारी,
नाम:

पाठ : 13

RANKA DATE / / PAGE 134

हुद हुद

नवीन शब्द

हुदहुद - एक चिड़िया, हुद हुद की कलगी बहुत ही सुन्दर होती है।

कलगी - पक्षियों के सिर पर उपरी भाग में ओ हुए पंख।

उड़न खटोला - उड़ने वाला यान
क्या उड़न खटोला काल्पनिक होते हैं या यह पर ग्रह से आते हैं।

गिद्धों - एक पुक्षी का नाम
गिद्ध एक शिकारी पक्षी है वह मांसाहारी है।

मुखिया - अगुआ
मेरे पिता जी गाँव के मुखिया हैं।

वंश - खानदान
सुनीमा की मृत्यु के साथ ही उनका वंश समाप्त हो गया।

RANKA DATE / / PAGE 135

चौकन्ना - होश में
आज कल धोखा बहुत बढ़ गया है, हमें चौकन्ना रहना चाहिये।

पदुवया - हुद हुद का पर्यायवाची पदवया एक सुन्दर पक्षी है।

शाह - राजा
भारत में कई शाह आये इनमें से एक कुतुब शाह दीन एकक था

विख्यात - प्रसिद्ध
विक्रमादित्य एक विख्यात राजा थे, वह न्याय के लिये जानेजाते है।

तुम्हारी समझ

(क) हुद हुद को कहीं 'हजामिन' चिड़िया और कहीं 'पदुवया' के नाम से पुकारते हैं। क्यों?
हजामिन चिड़िया इसलिये कहते है क्योंकि इसकी चोंच नहरनी के समान होती है।
पदुवया इसलिये कहते है क्योंकि यह दूब यानि घास में से कीड़े निकाल कर खाती है।

(ख) वह कैसा भोजन खाते होंगे?
वह छोटे कीडे और मकोडे खाते होंगे।

चोंच से वह क्या क्या काम ले सकते होंगे।

1 अपने पंख साफ करने के लिये
2 घास मे छिपे कीडे निकालने के लिये।
3 जमीन खोदने के लिये।
4 अपना बचाव करने के लिये।
5 घोसला बनाने के लिये।
6 लडने के लिये।

मैंने जाना

पाठ मे से ऐसे शब्दों की सूची बनाओ जो पक्षियों के लिये इस्तेमाल होते है।

जानती थी	पढ़कर जाना / मालूम हुआ	जानना चाहता हूँ	कैसे / कहाँ से
1 चोंच	1 कलगी	1 ऊ मुँ	1 अध्यापक
2 आँखे	2 हजामिन	2 गुस्सैल है?	2 मित्र
3 अण्डे	3 बहुबया	3 क्या इसके अंडे खाते है।	3 पिताजी
4 घोसलों	4 हुद-हुद		
5 पञ्जा पैर			

पहचानें कैसे

(क) अगर तुम्हें हुदहुद को पहचानने में किसी की मदद करनी है तो तुम उसे कौन-कौन से बातें बताओगे? चार-पाँच वाक्यों में लिखो।

1 हुद हुद आठ से दस इंच की होती है।
2 यह हुप-हुप की आवाज करती है।
3 इसकी चोंच पतली और लम्बी होती है
4 इसका रंग संतरी होता है और पंखो पर काली सफेद धारियाँ होती है।
5 यह मुख्य रूप से कीडे-मकोडे खाती है

(ख) अब कौवे या कबूतर को पहचानने के लिये चार-पाँच बिंदु लिखो। यह लिखने के लिये तुम्हें इन पक्षियों को कुछ समय तक बहुत गौर से देखना चाहिये।

कौवा –
1 10 से 12 इंच लम्बा और भारी पक्षी है
2 रंग, चोंच काली पर गर्दन पर हल्का भूरा रंग है।
3 माँस काटने और चीरने मे सक्षम
4 काँव-काँव की कर्कश आवाज
5 नुकीले नाखून और मजबूत पकड
6 कई धार्मिक मान्यताओं से सम्बन्ध

कबूतर

1 हल्का ६ से ८ इंच लम्बा पक्षी।
2 लम्बी उड़ान भरने में सक्षम।
3 मुख्य आहार अनाज के दाने।
4 इसके अण्डे भी खाये जाते है।
5 गुटर गूं - गुटर गूं की आवाज करता है
6 पहले संदेशवाहक का काम लिया जाता था। एक सुन्दर पक्षी है।

तरह तरह के नाम

तुम्हारे आसपास कौन-कौन से पक्षी है; उनके नामों की सूची बनाओ?
गौरइया, कौवा, तीतर, बुलबुल फाफता, चील, तोता और मोर

बातचीत

शाह सुलेमान - अरे भाई गिद्ध! जरा मेरी बात तो सुनो।
गिद्ध (उड़ते उड़ते) - कहिये, मगर ज़रा जल्दी से।
शाह सुलेमान - मुझे चण्डीगढ़ जाना है क्या तुम तुम अपने पंखों पर बिठा कर ले चलोगे
गिद्ध - ठीक है आप की यही आज्ञा है तो चलिये।

शाह सुलेमान - (नजदीक गया) और गिद्ध की गर्दन दबोच कर उसे मार डाला
गिद्ध - मुझे मत मारो, मुझे मत खाओ
शाह सुलेमान - (चटकारे लेते हुए) वाह अच्छा ख़ूब बनाया गिद्ध को स्वादिष्ट है।

रंगा - रंग

(क) बताओ कि ऐसे रंग किन-किन चीजों के होते हैं।

रंग का नाम	इस रंग की चीजो के नाम
गहरा नीला	आकाश, मोर पंख
फीका गुलाबी	फूल, तरबूजा
भड़कीला लाल	बिंदी, फूल
सुनहरा पीला	कुमकुम, चुन्नी, हल्दी

(ख) 'आसमानी' रंग का नाम कैसे बना होगा? सोचो।
आसमानी रंग का नाम आसमान के रंग के नाम पर पड़ा होगा।

बदामी रंग	बादाम के नाम पर
गुलाबी रंग	गुलाब के नाम पर
सुनहरा रंग	सोने के नाम पर
संतरी रंग	संतरे के नाम पर

बैंगनी रंग — बैंगन के नाम पर
जामुनी रंग — जामुन के नाम पर

शब्द एक-अर्थ अनेक

तुम भी कोई ऐसे चार शब्द सोचो जिनके दो मतलब निकलते हो। उनका वाक्यों मे प्रयोग करो।

(क) कल - मेरी कल छुट्टी है।
मै कल घूमने गया था
(ख) फल - सबर का फल मीठा होता है।
- आम एक मीठा फल है।
(ग) जल - वह जल मांग रहा है उसे देदो।
रमन का हाथ जल गया।
(घ) कर - आशु के कर-कमलों मे जादू है
चलो मिल कर यह करते है।
हमे कर देना चाहिए।
(ङ) आम - यह आम रस्ता नहीं है
आम मीठा फल है।
पत्र - पूजा के लिये आम पत्र लाओ
पूजा को पत्र लिखो।
पर - हुदहुद के पर सुन्दर है
मै जाना चाहता हूँ पर क्या करूँ।

नाम

अब नीचे दी गई तालिका को आगे बढाओ

हुदहुद	पक्षी
भारत	देश
अनार	फल
गुलाब	फूल
बदाम	सूखा फल
गंगा	नदी
सुमेरू	पहाड
अमर उजाला	अखबार
मैं थली	लडकी
बरगद	पेड

व्याकरण

क्रिया किसे कहते है?
जिस शब्द से किसी काम का होना या करना पाया जाए उसे क्रिया कहते है। उदाहरण -
कपडे लाओ, कपडे लाया, कपडे धोये,

क्रिया के दो प्रकार लिखो (रचना की दृष्टि)

अकर्मक	सकर्मक
अकर्मक क्रियाओं का कर्म नहीं होता जिन क्रियाओं का व्यापार और फल कर्ता पर हो, वे अकर्मक कहलाती है।	जिसका कर्म हो या जिसके साथ कर्म की सम्भावना हो। अर्थात जिस क्रिया के व्यापार का संचालन तो कर्ता से हो, पर जिसका फल या प्रभाव कर्म पर पड़े।

नीचे लिखे वाक्यों में से क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्दों को चुनकर लिखो।
जो शब्द क्रिया के विशेषता बताते हैं उन्हें क्रिया विशेषण कहते हैं।

1 बच्चा जोर जोर से रोने लगा
2 तुम भीतर बैठो।
3 वह रात को जल्दी सोता है।
4 मोहन मुँह खोल के हंसता है।
5 क्या वह आज आयेगा।

क्रिया विशेषण रिक्त स्थानों में भरो।
1 जल्दी चलो, देर हो गई।
2 जरा देखो, चोरनी यहीं है।
3 तुम ज्यादा खाते हो।
4 सैर करने कल जाओ।
5 बूढ़े लोग धीरे से चलते हैं।
6 रेलगाड़ी गई है।
7 रेलगाड़ी लम्बी है।
8 सेब लाल रंग का है।
9 शबनम मोटी लड़की है।

निम्नलिखित के विलोम शब्द लिखो
गर्मी × सर्दी, छाया × धूप

मोटी × पतली, लंबी × छोटी
सफाई × गंदगी, मिठास × खट्टास

अनेक शब्दों के लिये एक शब्द लिखो।
1 जो काम से जी चुराता है — कामचोर
2 उड़ने वाला खटोला — उड़न खटोला
3 जो किये गये उपकार को मानता है — कृतज्ञ
4 जो ईश्वर को मानता हो — आस्तिक
5 जो ईश्वर को न मानता हो — नास्तिक
6 जो बहुत पढ़ता हो — पढ़ाकू
7 जो झूठ बोलता हो — झूठा
8 जो उपकार को न मानता हो — कृतघ्न
9 जो क्षमा न किया जा सके — अक्षम्य
10 जिसका मूल्य न हो — अमूल्य

पाठ 14

RANKA DATE / / PAGE 154

मुफ़्त ही मुफ़्त

नवीन शब्द

बंदरगाह - समुद्र के किनारे जहाजों के ठहरने का स्थान
बंदरगाह पर जो नया जहाज आया है वह मेरे पिताजी का है।

उचकाकर - उठाकर
इसे उचकाकर पकड़ो वरना गीला हो जायेगा।

मुफ्त - बिना पैसे का
मुफ्त मे धनिया और मिर्ची अब नही मिलती।

कोलाहल - शोरगुल वातावरण
रेलगाडी मे बहुत भीड और कोलाहल होता है।

हक्के-बक्के - हैरान
पुलिस को देखकर लडकियाँ हक्के बक्के रह गई।

हर्ज - नुकसान, घाटा

RANKA DATE / / PAGE 155

परीक्षा के बाद खेलने में कोई हर्ज नहीं।

किस्मत - भाग्य
समझदार व्यक्ति परिश्रम से अपनी किस्मत बनाता है।

मेहरबानी - कृपा
रामजी की मेहरबानी ने आज उनके घर मे सुख और शांति है।

मनपसंद - स्वयं को जो अच्छा लगे
रीता मनपसंद लिबास पहन कर स्कूल आई है।

तुम्हारी समझ

(क) हर बार भीखूभाई कम दाम देना चाहते थे। क्यों?
हर बार भीखूभाई कम दाम देना चाहते थे, क्योंकि वह कंजूस थे

(ख) हर जगह नारियल के दाम मे फ़र्क क्या था?
नारियल के बगीचे में उनका दाम सबसे कम था क्योंकि वहाँ

वह पैदा होता था, नारियल जैसे-जैसे आगे पहुँचता जाता, उसमें और भी कई लोगों की कमाई जुड़ती जाती। इसलिये हर जगह नारियल के दाम में फर्क पड़ता जाता।

(ग) क्या भीखूभाई को नारियल सच में मुफ़्त में ही मिला? क्यों?
नहीं भीखूभाई को नारियल सच में मुफ़्त में नहीं मिला। उसके लिये उसे बहुत मेहनत करनी पड़ी। इस तरह उनकी मेहनताना नारियल की कीमत से भी ज्यादा ही था।

(घ) वे खेत में बड़े बरगद के नीचे बैठ गये। तुम्हारे विचार से कहानी में बरगद को बूढ़ा क्यों कहा गया होगा?
कहानी में बरगद को बूढ़ा इसलिये कहा होगा क्योंकि वह बहुत पुराना था और उसकी डालियां कमजोर हो गई थी।

भीखूभाई ऐसे थे

(क) उन्हें खाने-पीने का शौक था।
(ख) वे बहुत कंजूस थे।
(ग) उन्हें नारियल बहुत पसंद था।
(घ) वह बातें बनाने में होशियार थे।
(ङ) वह हर चीज कम दाम में लेना चाहते थे।

क्या बढ़ा, क्या घटा

बताओ इनका क्या हुआ, ये घटे या बढ़े?
नारियल का दाम - घटा (कम हुआ)
भीखूभाई का लालच — बढ़ा
रास्ते की लंबाई — बढ़ी
भीखूभाई की थकान — बढ़ी

कहो कहानी

यदि इस कहानी में भीखूभाई को नारियल नहीं बल्कि आम खाने की इच्छा होती तो कहानी आगे कैसे बढ़ती? बताओ
एक बार भीखूभाई को आम खाने की इच्छा हुई, उन्होंने अपनी पत्नी से पूछा कि क्या घर में आम है, उनकी पत्नी ने जवाब दिया - नहीं। भीखू भाई आम लेने बाजार गया आम का दाम अधिक ज्यादा लगा

DATE 14/8
PAGE 2

उन्होने दाम कम करने को कहा पर दुकानदार ने आम का दाम कम नहीं किया। इसपर उन्होने कहा - तुम 10 का देते हो बताओ भाई 5 का कहाँ मिलेगा मैं वहाँ से लूँगा।

दुकान दार ने कहा - मण्डी मे। भीखूभाई मण्डी चला गया, वहाँ उन्होने पूछा कि आम का दाम क्या है। वहाँ दाम पाँच रुपये भी उन्हे ज्यादा लगा उन्होने पूछा इससे सस्ता कहाँ मिलेगा। तब मण्डी के दुकान दार ने कहा कि बन्दरगाह मे 3 रुपये का मिल जायेगा।

भीखूभाई खुश हुए और बन्दरगाह चल पडे, वहाँ उन्होने आम का दाम पूछा तो पता चला कि 3 रुपये है। अब उन्हे यह भी महंगा लगा उन्होने नाववाले से कहा कि मै इतनी दूर आया हूँ तो सस्ते मे देदो। और 2 रुपये थमाते हुए जाने लगे तो नाववाले ने आम वापस ले लिये और कहा कि बाग मे जाओ वहाँ आम मनपसंद

DATE 14/9
PAGE 3

दाम मे मिल जायेंगे।

भीखूभाई बागीचे की तरफ चल दिये। माली ने कहा कि जितने आम चाहिये ले लो और दाम केवल 2 रुपये। थके हुए भीखूभाई को यह दाम भी ज्यादा लग रहा था इस पर माली ने कहा भाई खुद ही तोडो और दाम भी मत देना।

भीखूभाई प्रसन्न हुए और पेड पर चढ कर आम तोडने लगे तभी पैर फिसला और वह लटक गया हवा मे झूलते भीखूभाई मदद के लिये चिल्लाने लगे।

एक ऊँट वाला मदद केलिये आगे आया और वह भी झूल गया और लटकने लगा। एक घुडसवार आया तब उसने सोचा की मदद कर देता हूँ। उसने लटकते हुए ऊँटवाले के पैर पकडे लेकिन वह भी लटकने लगा और चिल्लाने लगा कि छोडना नही मै सौ रुपये दूंगा इस पर ऊँटवाला भी भीखूभाई से बोला छोडना नही मै दो सौ रुपये दूंगा।

DATE 1.5.0
PAGE

तीन सौ रुपये सुन कर खुशी से फूले नहीं समाये भीखूभाई और हाथ छूट गया। सब धड़ाम से गिरे। भीखू भाई के सिर पर आम गिरे और वह भी मुफ्त। बिलकुल मुफ़्त।

बात की बात

कहानी में नारियल वाले और भीखू भाई की बातचीत फिर से पढ़ो। अब इसे अपने घर की बोली में लिखो।

"अरे भाई नारियल वाले कितने में दिया नारियल?

"बस दो रुपये में अंकल जी।

बहुत ज्यादा बता रहे हो। एक रुपये में देना हो तो दो।

"अरे नहीं अंकल जी एक रुपये मे मैं नहीं दे सकता।"

"अरे, तो यह बता दे कौन दे सकता है और कहाँ मिलेगा।"

"थोड़ी दूरी पर मण्डी है वहाँ चले जाओ।"

यही ठीक रहेगा। भाई धन्यवाद मण्डी जाकर एक रुपये मे ले लूँगा।

DATE 1.5.1
PAGE

शब्दों की बात

ऊपर दिये गये उदाहरणों की मदद से नीचे दी गई जगह में सही शब्द लिखो।

काला	काली	दर्जी	दर्जिन
मालिन	माली	टोकरी	टोकरा
मटका	मटकी	गद्दा	गद्दी

मंडी

(क) मंडी में क्या-क्या बिक रहा होगा?
मंडी में आलू, टमाटर, प्याज आदि

(ख) मंडी में और कैसी आवाजें सुनाई देती है
आलू लो, गोभी लो, पेठा दस रुपया

क्या तुम अपने आसपास की ऐसी जगह सोच सकते हो, जहाँ बहुत शोर होता है। उस जगह के बारे में लिखो।
जी हाँ, मेरे घर के नज़दीक भवन-निर्माण का काम चल रहा है। वहाँ से तरह तरह की आवाजे आती है। कभी ड्रिलिंग की कभी, पत्थर घिसाई की, कभी ट्रैक्टर की, कभी चिल्लाने की।

दूसरा मेरे घर के नजदीक बस स्टॉप है, वहाँ भी गाड़ियों के हॉर्न की आवाजे आती है।

Page 125

DATE 1/5/2
PAGE

गुजरात की झलक

(क) मुफत ही मुफ्त गुजरात की लोककथा है। इस लोककथा के चित्रों में ऐसी कौन-सी बातें हैं जिनसे तुम यह अंदाजा लगा सकते हो?
निम्नलिखित से हम यह अंदाजा लगा सकते हैं।
1 भीखूभाई का पहनावा,
2 पेड़-पौधे,
3 ऊँट और घोड़े वाले चित्र,
4 माली के वेश भूषा,
5 नाव के दृश्य,
6 पगड़ी पहनने का तरीका.
7 कहानी में जो चित्र बनाये गये हैं वह पिथोरा शैली के हैं। इसलिये हम कह सकते हैं कि यह गुजरात की लोककथा है।

(ख) पता करो और लिखो कि वे अपनी भाषा (बोलने वाले) में किसी को आदर देने के लिये किन-2 शब्दों का इस्तेमाल करते हैं।
महाशय, सर, श्रीमान, मैडम भाईसा, पैनजी, पापाजी, जनाब सहाब, लाट सहाब।

DATE 1/5/3
PAGE

अतिरिक्त (व्याकरण - विलोम)

जवाब x सवाल   पसंद x नापसंद
बेचोगे x खरीदने   जाओ x आओ
ताज़ा x बासी   मीठा x कड़वा

दो-दो शब्दों को जोड़कर नया शब्द :-
धर्म + पत्नी   धर्मपत्नी
नारियल + वाला   नारियलवाला
ऊँट + वाला   ऊँटवाला
बंदर + गाह   बंदरगाह
नाँव + वाला   नाँववाला

अंक को हिन्दी में लिखो
1) 5 - पाँच   4) 40 - चालीस
2) 12 - बारह   5) 49 - उनचालीस
3) 36 - छत्तीस   6) 39 - उनतालीस

रेखाँकित सर्वनाम शब्द किस संज्ञा शब्द के स्थान पर आये हैं।
(क) वे सीधे खेत में बूढ़े बरगद के नीचे जाकर बैठ गये। भीखूभाई
(ख) सिर्फ एक रुपया काका - दूसरा नारियल वाला
(ग) खुशी से उन्होंने अपनी दोनों बाहों को फैलाया था - भीखूभाई

RANKA DATE 15/4

बजाओ खुद का बनाया बाजा

नवीन शब्द

जलतरंग - एक साज़
वह जलतरंग का माहिर उस्ताद है

पटाखा - विस्फोटक
हवा की शादी मे बहुत पटाखे चले।

मुखौटे - चेहरा ढकने की वस्तु
यह मुखौटे पारम्परिक शैली से बनाये गये है।

क्रम :- सिलसिले वार
इन चित्रो को क्रम से लगाओ

मधुर - मीठी (यहाँ-जो सुनने मे अच्छी हो)
शीना की आवाज बहुत मधुर है।

नगाड़ा - एक बहुत बड़ा ढोल
श्रीराम अयोध्या आये तो नगाड़े बजाये गयेऔर दिये जलाये गये।

स्पष्ट - साफ़ साफ
वह गलत नहीं है, यह तो सपष्ट होगया।

RANKA DATE 15/5

आँधी

नवीन शब्द

तारीकी :- तारे
आकाश में तारीकी छा गई है
काफी देर हो गई है, घर चलो।

गर्द-गुब्बार - धूल मिट्टी हवा में घुली हुई
मुँह ढक लो यहाँ गर्द-गुब्बार है।

किवाड़े - दरवाजें
किवाड़ बन्द कर के भीतर आजाओ।

खपरे - बारिश से बचाने के लिये
छत पर लगाई जाने वाली पट्टियाँ
यह खपरे बदलने पड़ेंगे पुराने हो गये है।

सरकाए - हिलाए
वह कक्षा से चुपचाप सरक गया।

शाखें - टहनी (टहनियाँ)
वह जिस शाख पर बैठा है उसी को काट रहा है।

ओले - चने के बराबर बर्फ के टुकड़े
ओले गिरने से फसल खराब हो गई।